राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

पटना शुक्ला में वकील की भूमिका निभाएंगे...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 04 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 285 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पीयूष गोयल बोले– भारत की आबादी बोझ नहीं, बल्कि उसकी ताकत है

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत की 130 करोड़ की आबादी बोझ नहीं है, बल्कि ताकत है और इस वजह से देश एक बड़ा बाजार बन गया है। गोयल ने यह टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के कोषाध यक्ष विष्णु मित्तल द्वारा लिखित किताब ''ऐसे थे भारत के गांव'' के विमोचन के अवसर पर रविवार देर शाम की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि गांवों में प्रौद्योगिकी और मोबाइल फोन का प्रसार बढ़ा है तथा ग्रामीणों को भी सूचनाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व

में केंद्र की सरकार ने पंचायतों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी भी बनाया है। गोयल ने कहा कि मोदी सरकार ने जनधन खातों, आधार और मोबाइल से गांव में रहने वाले गरीबों का सशक्तीकरण किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, जनधन और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण समेत अन्य योजनाओं को ग्रामीण आबादी को ध्यान में रखकर बनाया है। उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गांवों में बदलाव देखने को मिला है और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पहुंचा है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि देश की आबादी के पास मौजूद हुनर भारत को दुनिया भर में प्रसिद्ध करा रहा है और यह पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित भी कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश की 130 करोड़ की आबादी हमारे लिए बोझ नहीं है। यह हमारी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। जब मैं वाणिज्य मंत्री के तौर पर कोई मुक्त व्यापार समझौता करता हूं या विदेश में निवेश के लिए बात करता हूं तो वे (यहां निवेश करके) भारत के ऊपर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं। वे देखते हैं कि 130 करोड़ भारतवासी कैसे एक बड़ा बाजार बन गए हैं।'' इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने इस अवसर पर कहा कि 1857 के बाद अंग्रजों ने हिंदुओं और मुसलमानों को लड़ाने के लिए भारत के गांवों को तबाह कर दिया।

लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला, राकेश टिकैत का सरकार पर निशाना

लखीमपुर खीरी (उप्र)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि घटना की पहली बरसी पर सोमवार को देश भर के किसान इकट्ठा होंगे। टिकैत ने कहा कि देश पिछले साल तीन अक्टूबर को तिकुनिया गांव में हुई हिंसा को कभी नहीं भूल सकता, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई थी। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के खिलाफ किसान तीन अक्टूबर, 2021 को तिकुनिया गांव में विरोध ा प्रदर्शन कर रहे थे और इसी दौरान कार से कुचलकर चार लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद की हिंसा में दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार सहित चार अन्य लोग मारे गए थे। हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारी केंद्र के उन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन्हें बाद में सरकार ने वापस ले लिया था। टिकैत

हिंसा की पहली बरसी पर सोमवार को तिकुनिया क्षेत्र के कौड़ियाला घाट गुरुद्वारा में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचे हैं। उन्होंने रविवार शाम को संवाददाताओं से कहा, ''पीड़ितों के परिवारों को अभी तक न्याय नहीं मिला है।'' हिंसा का जिक्र करते हुए राकेश टिकैत ने कहा, ''यह (गांधी जयंती) 'शांति' का सप्ताह था। लेकिन पिछले साल इस दौरान हिंसा हुई में आठ लोगों की जान चली गई जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था।'' उन्होंने कहा, ''देश भर के किसान इस घटना को कभी नहीं भूलेंगे और तीन अक्टूबर को इसकी पहली बरसी मनाने के लिए देश भर में इकट्ठा होंगे।'' न्याय मिलने में देरी के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए भाकियू नेता ने कहा, ''सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान न तो कानूनी व्यवस्था में विश्वास करता है और न ही संविध ान में और अपनी शक्ति का दुरुपयोग करता है।'' आगे की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर टिकैत ने कहा कि लोग केवल (अन्याय के खिलाफ) आवाज उठा सकते हैं और बाकी सब सरकार के हाथ में है। अगस्त में लखीमपुर में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के तीन दिवसीय विरोध–प्रदर्शन का हवाला देते हुए टिकैत ने कहा, ''50,000 से अधिक किसान यहां इकट्ठे हुए और अपनी मांगों को रखा। उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री या कुछ अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के साथ बातचीत का आश्वासन दिया गया था, हालांकि, इस दिशा में कुछ भी नहीं हुआ।''

दशहरा रैली में गोला–बारूद फेंकने की योजना बना रहे थे लश्कर के हैदराबाद में बैठे आतंकी! निशाने पर थे कई RSS नेता

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने हैदराबाद में रहने वाले तीन लश्कर–ए–तैयबा के संदिग्ध गुर्गों को गिरफ्तार कर किया। जिनके बारे में अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने कथित तौर पर शहर में दशहरा रैली के दौरान हमला करने की योजना बनाई थी। माना जा रहा है कि आईएसआईएस से प्रेरित इन लोगों की हथगोले बनाकर उन्हें रैली के दौरान फेंकने की योजना था। तीनों की पहचान मोहम्मद अब्दुल जाहेद उर्फ घ्घ्घ्मोटू, मलकपेट के मोहम्मद समीउद्दीन और हुमायूं नगर के माज हसन फारूक, पुराने हैदराबाद में मुठभेड़ के दौरान में पकड़े गए थे। आरोपियों के पास से चार ग्रेनेड, चार लाख रुपये नकद और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। उन पर संघ और भाजपा पदाधि ाकारियों की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने आतंक फैलाने और दहशत और सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा करने के लिए एक खाका तैयार किया था। उन पर गैरकानूनी गतिविधि ा रोकथाम अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। प्राथमिकी

में चार अन्य संदिग्धों के नाम हैरू आदिल अफरोज, अब्दुल हादी, सोहेल कुरैशी और अब्दुल कलीम उर्फ घ्घ्हादी भी शामिल हैं। फिलहाल ये चारों फरार हैं। मुख्य साजिशकर्ता जाहिद ने खुलासा किया कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, सीमा पार लश्कर संचालकों और तीन भगोड़े हैदराबादी संदिग्ध आतंकवादियों– फरहतुल्ला गोरी, सिद्दीकी बिन उस्मान और अब्दुल मजीद के संपर्क में था। बताया जा रहा है कि ये तीनों पाकिस्तान में हैं और आईएसआई के लिए काम कर रहे हैं। एसआईटी के एक अधिकारी ने कहा ''जाहिद और उसका समूह त्योहारों के मौसम में आतंक फैलाने के लिए भाजपा, आरएसएस की बैठकों और बम दशहरा जुलूसों पर हथगोले फेंकने की योजना बना रहा था। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान स्थित हैंडलर, गोरी, हंजाला और मजीद ने जाहिद को भर्ती करने वालों की मदद करने और हैदराबाद में आतंकवादी हमले करने में मदद करने के लिए धन का इस्तेमाल किया था। जाहेद पहले हैदराबाद में आतंकवाद से संबंधित मामलों में शामिल था, जिसमें 2005 में बेगमपेट में शहर के पुलिस आयुक्त के टास्क फोर्स कार्यालय पर आत्मघाती हमला भी शामिल था।

विजयादशमी पर ही मिले थे राफेल विमान, अब LCH मिलने से भारतीय वायुसेना की शक्ति में हुआ महाइजाफा

दुश्मन खेमे में खलबली मचाने आ गया है भारत का स्वदेश में विकसित हल्का ल ड ा कू हेलिकाप्टर। यह हेलिकाप्टर समंदर से रेगिस्तान तक दुश्मनों का हौसला पस्त कर देगा। साल 2019 में विजयादशमी पर जिस तरह भारतीय वायुसेना को राफेल विमान मिले थे और उसकी ताकत में महाइजाफा हुआ था ठीक उसी तरह इस साल भी विजयादशमी से पहले भारतीय वायुसेना के बेड़े में देश में विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों (एलसीएच) को औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। इस अवसर पर जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। रक्षा मंत्री ने देश को चीते जैसी फुर्ती वाले हेलिकाप्टरों को वायुसेना में शामिल कर बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी तथा वायुसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पहले जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिस दौरान सभी धर्मों के गुरुओं ने अपने अपने रिवाजों से हेलकाप्टरों की पूजा की। हेलिकाप्टरों को भारतीय वायुसेना में शामिल किये जाने के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष इनके कौशल का प्रदर्शन भी किया गया। आइये देखते हैं यह भव्य और दिव्य दृश्य। हम आपको बता दें कि हल्के लड़ाकू विमानों के आ जाने से वायुसेना की ताकत में और वृद्धि होगी क्योंकि यह बहुपयोगी हेलीकॉप्टर कई तरह की मिसाइल दागने और हथियारों का इस्तेमाल करने में सक्षम है। 5.8 टन वजन के और दो इंजन वाले इस हेलीकॉप्टर से पहले ही कई हथियारों के इस्तेमाल का परीक्षण किया जा चुका है। एलसीएच और 'एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर' ध्रुव में कई समानताएं हैं। इसमें कई विशेषताएं हैं जिनमें 'स्टील्थ' (रडार से बचने की) खूबी के साथ ही बख्तरबंद सुरक्षा प्रणाली से लैस और रात को हमला करने व आपात स्थिति में सुरक्षित उतरने की क्षमता शामिल हैं। यह अमेरिकी अपाचे से भी हल्का हेलिकाप्टर है इसे खासतौर पर ऊँचाई वाले इलाकों में तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है। चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में चल रहे गतिरोध को देखते हुए भारतीय वायुसेना को इन हेलिकाप्टरों के माध्यम से नई शक्ति मिलना अपने आप में बड़ी बात है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान से बौखलाया पाकिस्तान, भारत पर ही लगा दिया यह आरोप

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बड़ोदरा में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा था। एस जयशंकर ने साफ तौर पर कहा था कि आज पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के विशेषज्ञ के तौर पर जाना जाता है। एस जयशंकर के इसी बयान से पाकिस्तान को मिर्ची लगी है। पाकिस्तान ने एस जयशंकर के बयान को बेहद ही गैर जिम्मेदाराना और अनावश्यक बता दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि यह बेबुनियाद टिप्पणी है। पाकिस्तान इस तरह के बयान को खारिज करता है जिसमें कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद में उसकी संलिप्तता बताई गई थी। इसके साथ ही उसने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भ्रमित करने के लिए भारतीय नेताओं द्वारा आतंकवाद को लेकर गलत तथ्य गढ़े जाते हैं। पाकिस्तान ने दावा किया कि आतंकवाद रोधी अभियान से लेकर उसने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अपनी भूमिका से विश्व शांति में योगदान दिया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने स्वीकार किया है।

गुजरात के वडोदरा में दो गुटों के बीच हुई हिंसा, इलाके में तनाव

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में धार्मिक झंडा लगाने को लेकर विवाद इतना बढ़ा की दो गुटों के बीच शुरू हुई बहस पत्थरबाजी तक पहुंच गई। मामला वडोदरा के सावली का है, जहां दो गुट आपस में अपने अपने झंडे को एक खंभे पर लगाने के लिए आपस में भिड़ गए। कुछ ही समय में दोनों गुटों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि उपद्रवियों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के दौरान घटना स्थल के आस पास की दुकानों और गाड़ियों में भी तोड़फोड़ कर दी। घटना की

सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अबतक कुल 36 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस का कहना है कि इलाके में शांति भंग करने की अनुमति किसी को नहीं है। उपद्रवियों द्वारा मचाए उत्पात और हिंसा के इस कृत्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। झंडा लगाने को लेकर हुआ विवादः वडोदरा में सावली थाने के पुलिस अधिकारी के मुताबिक पत्थरबाजी की घटना ध ामीजी के डेरा इलाके में हुई। यहां दो गुट बिजली के खंभे पर अपने धार्मिक झंडे लगाने के लिए आपस में भिड़ गए। दोनों गुटों ने एक दूसरे के झंडे लगाए जाने का जमकर विरोध किया जिसके बाद मामला बढ़ गया और ये हिंसा में तब्दील हो गया। हालांकि पुलिस ने बताया कि इस हिंसा में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी ए आर महिदा ने मीडिया को बताया कि दोनों समुदायों ने एक दूसरे पर पथवार किया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

अभी सीसीयू में भर्ती हैं मुलायम, जारी हुआ मेडिकल बुलेटिन, जानें कैसी है तबीयत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद से उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया था। 26 सितंबर से ही मुलायम सिंह यादव गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे। रेगुलर चेकअप कराने के लिए गए मुलायम सिंह यादव को इंफेक्शन की वजह से अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि, रविवार को उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई जिसके बाद उन्हें मेदांता के ही आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा। वर्तमान में देखें तो वह मेदांता के क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती हैं। मेदांता अस्पताल की ओर से जो बुलेटिन जारी किया गया। बुलेटिन के

मुताबिक मुलायम सिंह यादव वर्तमान में क्रिटिकल केयर यूनिट (ब्ब्) में भर्ती हैं और उनका इलाज विशेषज्ञों की एक व्यापक टीम द्वारा किया जा रहा है। रविवार को जैसे ही खबर मिली वैसे ही उनके बेटे और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, बहु डिंपल यादव अपने बच्चों के साथ सीधे गुरुग्राम पहुंचे। शिवपाल यादव भी गुरुग्राम में मौजूद थे। इसके अलावा पूरा सैफई परिवार भी गुरुग्राम पहुंचने लगा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव को फोन किया था। मुलायम सिंह की तबीयत को लेकर अखिलेश यादव से पीएम मोदी ने हालचाल जाना था। इसके साथ ही पीएम मोदी ने हर संभव सहायता का भरोसा भी दिया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अखिलेश यादव से फोन पर बात की थी साथी साथ रक्षा मंत्री की ओर से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की गई थी। मुलायम सिंह यादव के स्वस्थ होने को लेकर दुआओं का दौर लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि आज पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी से दूरभाष पर वार्ता कर उनके पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी का कुशल–क्षेम पूछा। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि उनको शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। मेदान्ता अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों से वार्ता कर पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी को उत्कृष्ट इलाज मुहैया कराने हेतु कहा। उत्तर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया, ''उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी की सेहत खराब होने की मीडिया के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई, मैं भगवान से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना एवं प्रार्थना करता हूं। ब्रजेश पाठक ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी के अस्वस्थ होने की सूचना प्राप्त हुई, मैं प्रभु श्री राम जी से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं दीर्घायु जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

अगर साइबर अपराधियों से बचना चाहते हैं तो मजबूत रखें पासवर्ड

आज की दुनिया पूरी तरह से डिजिटल हो चुकी है, केवल एक हिस्सा नहीं बल्कि संपूर्ण डिजिटल हिस्सा आजकल पासवर्ड पर डिपेंडेंट हो गया है। आप चाहे अपना ईमेल लॉग इन करें, चाहे अपना कोई सोशल मीडिया अकाउंट लॉगिन करें, यहां तक कि आपका फोन और दूसरे एप्लीकेशंस तक पासवर्ड पर डिपेंडेंट हो गए हैं। ऐसे में सभी के सामने बड़ा प्रश्न होता है, कि क्या वास्तव में तमाम साइबर क्रिमिनल आपके पासवर्ड को भेद सकते हैं ? आपके पासवर्ड को जान सकते हैं ? तो इसका जवाब हां में है। डिजिटल मार्केटिंग : प्रयोजित संपर्क: अगर आप कमजोर पासवर्ड रखते हैं, तो निश्चित रूप से यह भेदा जा सकता है। ऐसे कई लोग अपना नाम रखकर 123 रख देते हैं, जैसे राहुल 123। इसी प्रकार से कई लोग अपनी डेट ऑफ बर्थ को लगा लेते हैं, तो इस तरह के सिंपल पासवर्ड ट्रैक करने में साइबर टीम में को जरा भी दिक्कत नहीं होती है।

ऐसे में अगर आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स यहां तक कि बैंकिंग और दूसरी डिटेल्स को सिक्योर रखना चाहते हैं तो आपको अपना पासवर्ड बेहद सुरक्षित रखना होगा। यह जान लीजिए कि स्ट्रांग पासवर्ड आसानी से पता नहीं लगाया जा सकते और अपेक्षाकृत यह थोड़ा लंबे होते हैं और क्रैक नहीं किए जा सकने वाले होते हैं। इतना ही नहीं इसमें अपर केस लोअर केस और नंबर के साथ साथ स्पेशल कैरक्टर्स भी शामिल रहते हैं, ऐसे में जब यह सब मिलाकर आप स्ट्रांग और यूनिक पासवर्ड बनाते हैं तो यह किसी के द्वारा भी भेदा जाना मुश्किल होता है।

एक और बड़ी गलती जो लोग करते हैं कि पासवर्ड तो वह स्ट्रांग जरूर बना लेते हैं, लोग लेकिन उसे कहीं नोट कर के रख देते हैं, जैसे कि अपने ईमेल में ही ड्राफ्ट में उन्होंने नोट कर के रख दिया है। ऐसे में अगर किसी कारण बस आपका इमेल हैक होता है तो वह सारा पासवर्ड किसी भी हैकर के हाथ लग सकता है।

ऐसे में अगर आप याद रखने के लिए भी अपना पासवर्ड अपने जीमेल में या किसी दूसरी जगह पर स्टोर रखते हैं तो उसमें समस्त पासवर्ड नोट करके ना रखें बल्कि आप उसे कोडवर्ड में लिखे जैसे कि पहला दो अक्षर लिख लिया लास्ट का दो अक्षर लिख दिया और बीच का... कर दिया। ऐसी स्थिति में क्या होता है कि आपके पासवर्ड को अगर कोई देख भी ले तो वह आसानी से गेस नहीं कर पाएगा। इसके अलावा ऑनलाइन भी कई सारे पासवर्ड जेनरेटर होते हैं जो स्ट्रांग पासवर्ड जनरेट करके देते हैं, लेकिन ध्यान दीजिए उन पासवर्ड को जनरेट करने के बाद भी आप एक दो लेटर एक दो अक्षर अवश्य चेंज कीजिए ऐसी स्थिति में आप अपने पासवर्ड को स्ट्रांग रख सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपको अपने पासवर्ड का हिस्सा आसान चीजों को नहीं बनाना चाहिए। जैसे कि आप की डेट ऑफ बर्थ, आपका नाम, आपके किसी रिलेटिव जैसे पिता या माता का नाम, आपके स्कूल या आपके कंपनी का नाम। इस तरीके के पासवर्ड आसानी से गेस करके क्रैक किए जा सकते हैं। पासवर्ड के संदर्भ में एक और जो याद रखने वाली जरूरी बात है, वह यह है कि सभी अकाउंट के पासवर्ड आप एक ही ना रखें बल्कि अपनी ईमेल के पासवर्ड, सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड, बैंकिंग पासवर्ड इन सभी को आप अलग अलग रखें। ऐसी अवस्था में क्या होता है कि अगर आपका एक पासवर्ड लीक हो भी गया तो बाकी अकाउंट से आपके सिक्योर रहते हैं। हालांकि आज के समय में पासवर्ड के ऊपर अकेले भरोसा करने की बजाय आपको टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन भी ऑन कर लेना चाहिए।

अर्थात पासवर्ड डालने के बाद आपके मोबाइल पर ओटीपी आता है, आपके अकाउंट में लॉग इन करने के लिए आपके मोबाइल पर आया ओटीपी डालना जरूरी हो गया है। तमाम तरह के अकाउंट में टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन मैंडेटरी कर दिया गया है।

हां उसे ऑन करना आपका काम है और अलग–अलग अकाउंट के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन करने की मेथड निश्चित रूप से अलग–अलग है, लेकिन यह इतना कठिन भी नहीं है! अगर आप इंटरनेट पर सर्च करेंगे तो आपको यह निश्चित रूप से मिल जाएगा।

कैंसरग्रस्त कोशिकाओं तक कीमोथेरेपी दवा पहुँचाने की नई रणनीति

कैंसर उपचार के दौरान रोगी को कीमोथेरेपी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। मौजूदा कीमोथेरेपी दवाओं के साथ समस्या यह है कि वे कैंसरग्रस्त कोशिकाओं के साथ–साथ शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को भी मार देती हैं। इस कारण, रोगी के शरीर पर कई अवांछनीय दुष्प्रभाव उभरकर आते हैं। भारतीय शोधकर्ताओं ने कैंसर रोगी के शरीर में, विशेष रूप से कैंसरग्रस्त कोशिकाओं तक कीमोथेरेपी दवाएं पहुँचाने के लिए एक नई रणनीति विकसित की है। उनका कहना है कि नया विकसित दृष्टिकोण कीमोथेरेपी के लिए बेहतर दवा–वाहकों के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिसकी प्रभावकारिता अधिक, और दुष्प्रभाव नगण्य होगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी, और कलकत्ता विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया यह अध्ययन रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री सहित केमिकल कम्युनिकेशन्स, और ऑर्गेनिक ऐंड बायोमॉलिक्यूलर केमिस्ट्री में प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन से जुड़े शोधकर्ताओं में, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर देबासीस मन्ना, और उनके शोध छात्र सुभासीष डे, अंजलि पटेल तथा बिस्वा मोहन प्रुस्टी शामिल हैं। आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर सिद्धार्थ शंकर घोष, और प्लाबोनी सेन तथा कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरिंदम भट्टाचार्य एवं सौम्या चटर्जी के सहयोग से यह कैंसर–रोधी अध्ययन किया गया है।

यह माना जाता है कि कैंसर से होने वाली मौतें उतनी ही कीमोथेरेपी के दुष्प्रभाव के कारण होती हैं, जितनी स्वयं बीमारी से होती हैं। कीमोथेरेपी दवाओं की द्वितीयक विषाक्तता की कमियों को दूर करने के लिए दुनियाभर में शोध किये जा रहे हैं। जिन कुछ रणनीतियों को खोजा जा रहा है, उनमें दवाओं का लक्ष्य–विशिष्ट वितरण, और कैंसर कोशिकाओंध्ऊतकों को उचित दवा की खुराक की ऑन–डिमांड डिलीवरी शामिल है।

प्रोफेसर देबासीस मन्ना ने कहा, "कीमोथेरेपी दवाओं के विकास में हमारी दो जरूरतें होती हैं – दवा को कैंसर कोशिकाओं पर लक्षित होना चाहिए, और जब आवश्यकता हो, दवा को बाहरी ट्रिगर द्वारा जारी किया जाना चाहिए।ष्

इस अध्ययन के शोधकर्ताओं के विकसित अणुओं में इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चार प्रमुख गुण शामिल हैं। एक गुण यह है कि ये अणु पानी में गोलाकार खोल के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं, जिनका उपयोग रोगग्रस्त कोशिकाओं तक दवा अणु पहुँचाने के लिए छोटे कंटेनर के रूप में हो सकता है। दूसरी विशेषता यह है कि इन अणुओं में एसिटाजोलमाइड लिगैंड होता है, जो सामान्य कोशिकाओं से न बंधकरय विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं से ही बंधता है। तीसरी विशेषता इसमें फोटोक्लीवेबल लिंकर की मात्रा का होना है, जो अवरक्त प्रकाश (आईआर) के प्रति प्रतिक्रियाशील होती है, और इसके संपर्क में आने पर खोल को तोड़ देती है। इस अणु में एक डाई की मात्रा (सायनिन –3) भी होती है, जो पूरी प्रक्रिया में निगरानी के लिए फ्लोरोसेंट और स्कैटरिंग–आधारित इमेजिंग के लिए उपयोगी है।

इस प्रकार, विकसित अणु दवा को पकड़ने के लिए कैप्सूल के रूप में स्वयं एकत्रित होते हैं, जो केवल कैंसर कोशिकाओं से जुड़ते हैं। जब उस पर अवरक्त प्रकाश चमकता है, तो खोल टूट जाता है, और कैप्सूलीकृत दवा को कैंसरग्रस्त कोशिका में छोड़ देता है। लक्षित आईआर (लाइट) –ट्रिगर ड्रग रिलीज सिस्टम के विकास के बाद शोधकर्ता इस जानकारी को दवा–विकास की अवस्था तक ले जाने के लिए जैविक अध्ययन की तैयारी कर रहे हैं।

मिर्गी की सटीक पहचान के लिए नया एल्गोरिद्म

मिर्गी तंत्रिका संबंधी एक रोग है, जिसमें मस्तिष्क अचानक विद्युत संकेतों का उत्सर्जन करता है, जिसके परिणामस्वरूप दौरे पड़ते हैं, और चरम मामलों में मृत्यु तक हो सकती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश के सहयोग से भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के शोधकर्ताओं ने एक एल्गोरिद्म विकसित किया है, जो मिर्गी की घटनाओं और उसके विभिन्न रूपों की पहचान के लिए मस्तिष्क स्कैन को डिकोड करने में मदद कर सकता है। मस्तिष्क के अनिश्चित संकेतों की उत्पत्ति के बिंदु के आधार पर, मिर्गी को फोकल या सामान्यीकृत मिर्गी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जब ये अनियमित संकेत मस्तिष्क में किसी विशिष्ट क्षेत्र तक सीमित होते हैं, तो फोकल मिर्गी होती है। यदि संकेत यादृच्छिक स्थानों पर हैं, तो इसे सामान्यीकृत मिर्गी कहा जाता है। मिर्गी की पहचान के लिए न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट्स ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राम) का मैन्युअल रूप से निरीक्षण करते हैं, जिससे ऐसे संकेतों का पता लगाया जा सके। आईआईएससी के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम इंजीनियरिंग विभाग (डीईएसई) में सहायक प्रोफेसर हार्दिक जे. पंड्या कहते हैं, लंबे समय तक ईईजी का दृश्य निरीक्षण थकाने वाला हो सकता है, और कभी–कभी त्रुटियों का कारण बन सकता है। इस अध्ययन में, एक नया एल्गोरिद्म प्रस्तुत किया गया है, जो ईईजी डेटा के माध्यम से कार्य करता है, और विद्युत सिग्नल पैटर्न से मिर्गी की पहचान कर सकता है। उनका कहना है कि इन पैटर्नों के आधार पर किये गए विश्लेषणों में मिर्गी का सटीक रूप से पता लगाने में इस एल्गोरिद्म को प्रभावी पाया गया है। प्रोफेसर पंड्या कहते हैं, ष्इस अध्ययन का उद्देश्य सामान्य विषयों के ईईजी को मिर्गी के ईईजी से अलग करना है। इसके अतिरिक्त, नया विकसित एल्गोरिद्म मिर्गी के प्रकारों की पहचान कर सकता है। हमारे अध्ययन का एक उद्देश्य न्यूरोलॉजिस्ट्स को कुशल और त्वरित स्वचालित जाँच और निदान में मदद करना है।" यह अध्ययन शोध पत्रिका बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग ऐंड कंट्रोल में प्रकाशित किया गया है। एल्गोरिद्म विकसित करने के लिए एम्स ऋषिकेश से प्राप्त 88 मानव प्रतिभागियों से ईईजी डेटा की जाँच की गई है। प्रत्येक प्रतिभागी नमूने में 45 मिनट का ईईजी परीक्षण किया गया, जिसे दो भागों में विभाजित किया गया था। प्रारंभिक 10 मिनट का परीक्षण प्रतिभागी के जागते हुए किया गया, जिसमें फोटिक सिमुलेशन और हाइपरवेंटिलेशन शामिल था। इसके बाद, प्रतिभागी को 35 मिनट की नींद लेने के लिए कहा गया, और उसी अवधि में परीक्षण किया गया। शोधकर्ताओं ने इस डेटा का विश्लेषण किया, और तरंगों के पैटर्न को शार्प (तीव्र) संकेतों, स्पाइक्स तथा धीमी तरंगों में वर्गीकृत किया। स्पाइक्स ऐसे पैटर्न होते हैं, जहाँ सिग्नल बहुत कम समय (लगभग 70 मिलीसेकंड) के भीतर उभरता और गिरता है, जबकि शार्प संकेत वे होते हैं, जो लंबी अवधि (करीब 250 मिलीसेकंड) में बढ़ते और गिरते हैं, और धीमी तरंगों की बहुत लंबी अवधि (लगभग 400 मिलीसेकंड) होती है।

मिर्गी रोगी में किसी स्वस्थ व्यक्ति की तुलना में पैटर्न का अलग सेट देखने को मिलता है। शोधकर्ताओं ने शार्प तरंगों की कुल संख्या की गणना के लिए एल्गोरिद्म विकसित किया है, जिसका उपयोग मिर्गी का पता लगाने के लिए एक मानदंड के रूप में किया जा सकता है। उच्च वैल्यू मिर्गी की अधिक संभावना को इंगित करता है। एल्गोरिद्मम फोकल और सामान्यीकृत मिर्गी के बीच अंतर करने के लिए स्पाइक्स और शार्प कर्व्स के अंतर्गत क्षेत्रों के योग की गणना करता है। यहाँ भी बड़ी वैल्यू सामान्यीकृत मिर्गी को इंगित करती है, जबकि कम वैल्यू फोकल मिर्गी को दर्शाती है। आईआईएससी के वक्तव्य में कहा गया है कि यह अध्ययन संचयी स्पाइक–वेव काउंट के उपयोग से आकस्मिक एवं क्षणिक रूप से चेतना के लोप का पता लगाने का मार्ग प्रशस्त करता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसे आकस्मिक दौरे घातक हो सकते हैं। उन्होंने उन मिर्गी रोगियों के ईईजी डेटा के नये सेट पर अपना एल्गोरिदम उपयोग किया है, जिनका वर्गीकरण (क्या उन्हें मिर्गी थी, और यदि हाँ, तो उन्हें किस प्रकार की मिर्गी थी) पहले से ही डॉक्टरों को पता था। इस अध्ययन ने लगभग 91: मामलों में रोगी नमूनों को सफलतापूर्वक वर्गीकृत किया। डीईएसई में पीएचडी शोधार्थी और अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता रथिन के. जोशी कहते हैं, ष्हमे उम्मीद है कि मानव ईईजी की विविधताओं पर विचार करने के लिए अधिक डेटा पर परीक्षण करके इसे परिष्कृत किया जा सकता है।ष इस अध्ययन के लिए एक पेटेंट दायर किया गया है और एम्स ऋषिकेश में चिकित्सकों द्वारा इसकी विश्वसनीयता के लिए एल्गोरिद्म का परीक्षण किया जा रहा है।

पर्सनैलिटी में इस तरह लाएं निखार, कॅरियर में होगी ग्रोथ

हम सभी अपने जीवन में तरक्की करना चाहते हैं और इसके लिए एक अच्छी जॉब पाने की हसरत हम सभी के मन में होती है। लेकिन एक अच्छी जॉब पाने के लिए सिर्फ आपकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन या फिर वर्क एक्सपीरियंस ही महत्वपूर्ण नहीं है। बल्कि आपकी पर्सनैलिटी का भी एक गहरा प्रभाव पड़ता है। आप खुद को किस तरह कैरी करते हैं, उसका इंप्रेशन आपकी जॉब अपॉइंटमेंट से लेकर ग्रोथ तक पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी अपनी पर्सनैलिटी में निखार लाना चाहते हैं तो आप इन आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं–

कपड़ों पर दें ध्यानः कपड़े बिना बोले ही हमारी पर्सनैलिटी के बारे में काफी कुछ कह जाते हैं। इसलिए, जब भी आप तैयार होते हैं तो ओकेजन को ध्यान में रखकर रेडी हो। हमेशा सही तरह से ड्रेसअप होने से एक कॉन्फिडेंस आता है, जो आपके व्यक्तित्व में निखार लाता है। बॉडी पर बहुत अधिक टैटू, पियर्सिंग या भड़कीले कलर आपको अनप्रोफेशनल दिखा सकते हैं।

अपनी बॉडी लैंग्वेज पर काम करें: बॉडी लैंग्वेज आपके व्यक्तित्व के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी आपके ओरल कॅम्युनिकेशन स्किल्स। यह आपके बारे में बहुत कुछ बताता है और लोगों को आपके बारे में सटीक अनुमान लगाने में मदद करता है। आपके चलने, बैठने, बात करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस–पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। सही बॉडी लैंग्वेज होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। हमेशा सीधा चलने की कोशिश करें और बोलते समय हमेशा आंखों का संपर्क बनाएं। विनम्र रहें: जब बात पर्सनैलिटी की होती है, तो आपका व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए। मसलन, हमेशा विनम्र रहें और सभी का मुस्कान के साथ अभिवादन करें। अपने साथियों की मदद करने में कभी भी संकोच न करें। इससे आपकी पर्सनालिटी में भी आत्मविश्वास आएगा। अपने जूनियर्स और सीनियर्स के लिए समान रूप से विनम्र और जमीन से जुड़े रहें। एक अच्छे श्रोता बनें: जब कोई आपसे बात करे तो दिलचस्पी से सुनें और उन्हें पूरा ध्यान और महत्व दें। इस दौरान आई कॉन्टैक्ट बनाए रखें, ताकि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस हो कि आप उसे ध्यान से सुन रहे हैं। साथ ही, लोगों के बारे में बेहतर तरीके से जानने और उनसे बेहतर तरीके से जुड़ने में आपकी मदद करेगा।

मध्य प्रदेश के मांडू में इतना कुछ देखने को है कि दो दिन कम पड़ जाएंगे

भारत का हृदय प्रदेश माने जाने वाले मध्य प्रदेश में पर्यटन के वैसे तो कई स्थल हैं लेकिन प्रमुख हैं।

रानी रूपमती और बाजबहादुर के प्रणय प्रसंगों के फर्श पर मुखरित हो रही है। अतीत के इस समृद्ध वैभव को जब आप देखने आ ही रहे हैं तो कम से कम दो दिन यहां जरूर बिताएं।

यदि प्राचीन धरोहरों वाले स्थल की बात करें तो मांडू या माण्डवगढ़ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। यह मध्य प्रदेश के धार जिले के माण्डव क्षेत्र में स्थित एक प्राचीन शहर है। यहां बड़ी संख्या में सैलानी जहाज महल, हिन्डोला महल, शाही हमाम और वास्तुकला के उत्कृष्टत उदाहरण देखने आते हैं। मांडू का महल भी यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। जहाजनुमा आकार में बनाये गये इस महल का निर्माण दो तालाबों के बीच किया गया है। टेढ़ी–मेढ़ी दीवारों के चलते इस महल को हिंडोला महल भी कहा जाता है। मांडू में दाखिल होने के लिए वैसे तो 12 मार्ग हैं लेकिन जो मुख्य रास्ता है वह दिल्ली दरवाजा कहलाता है। अन्य दरवाजों में रामगोपाल दरवाजा, जहांगीर दरवाजा और तारापुर दरवाजा के गवाह इन महलों से दूर नर्मदा नदी की पतली–सी रेखा, जहाज महल व हिंडोला महल की अद्भुत कारीगरी कुल मिलाकर यहां इतना सब है कि पर्यटकों को लगेगा कि उनका मांडवगढ़ पहुंचना सार्थक हो गया। मध्य प्रदेश के इंदौर से लगभग 100 किलोमीटर सड़क के रास्ते से मांडवगढ़ जब जाते हैं तो लगता है कि यहां के अवशेषों का एक.एक पत्थर राजपूत राजाओं ओर फिर मुगल सम्राटों के वैभव.पराभव के कहानी कह रहा है।

दूर.दूर तक फैला एकांत और रात की निस्तब्धता में जब आप मांडव में रात गुजारेंगे तो ऐसा आभास होगा कि मानो संपूर्ण अतीत मुखर होकर चहल.पहल में बदल गया है और नतर्कियों के पैरों व घुंघरूओं की थाप जहाज महल सम्मोहित हो जाते हैं। इनके अतिरिक्त रेवा कुंड भी अवश्य देखें। इस तालाब में दूरस्थ नर्मदा नदी का पानी संग्रहित करने की व्यवस्था बाजबहादुर ने कराई थी। इसका उपयोग रानी रूपमती द्वारा किया जाता था।

16वीं शताब्दी के प्रारंभ में बाजबहादुर द्वारा अपने लिए बनवाए गए खूबसूरत महलों के अलावा रूपमती परिसर, निकहत महल, हाथी महल, परिया खान मकबरा, दाई का मकबरा, दाई की छोटी बहन का महल, ईको प्वाइंट आदि इतनी ऐतिहासिक धरोहरें हैं कि इनको देखते हुए आप रानी रूपमती व बाजबहादुर की प्रणय गाथाओं में खो जाएंगे।

मांडू में ठहरने के लिए सस्ती व अच्छी व्यवस्थाएं हैं। यहां टूरिस्ट काटेज, ट्रैवलर्स लाज, मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के भवन हैं, जहां आसानी से जगह मिल जाती है। तवेली महल गेस्ट हाउस, होटल रूपमती, साडा रेस्ट हाउस, जैन धर्मशाला में ठहरने की बढिध्या व्यवस्था है। लोक निर्माण विभाग व वन विभाग के विश्रामगृहों में भी पर्यटकों के रूकने की अच्छी व्यवस्था है। वैसे तो बरसात के मौसम में मांडू जाने का अलग ही आनंद है। किन्तु मार्च से जुलाई तक का समय मांडू जाने के लिए बढ़या रहेगा।

बांसी में हुआ फलाहार कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। श्री श्री श्री मां वैष्णो सेवा समिति के तत्वाधान मैं हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि की सप्तमी तिथि के दिन नगर स्थित कोतवाली तिराहे पर फलाहार का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालु ने शामिल होकर जयकारा लगाते हुए प्रसाद ग्रहण किया। रविवार को शारदीय नवरात्र की सप्तमी तिथि के दिन कोतवाली तिराहे पर आयोजित फलाहार कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री क्षेत्रीय विधायक जय प्रताप सिंह व उनके छोटे सुपुत्र अभय प्रताप सिंह और आयोजन समिति के सदस्यों के साथ मां दुर्गा के पूजन स्थल पर दीप प्रज्वलित कर पूजन अर्चन किया उसके बाद मां दुर्गे की आरती करने के बाद भोग लगाया गया और उसके बाद फलाहार कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जो देर शाम तक चलता रहा फलाहार। फलाहार कार्यक्रम के बीच में ही छेत्रिय सांसद जगदंबिका पाल का भी आगमन हुआ और वे पंडाल में प्रवेश करते हि मां दुर्गा का जय घोष करते हुए पूजन स्थल गए और दीप प्रज्ज्वलित कर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान पूरा पंडाल भक्ति मय माहौल में होने के साथ ही बहुत ही मनमोहक भी रहा मां के भक्त महिला व पुरुष दोनों स्वयं अलग–अलग अपने–अपने कतार में अपनी अपनी बारी आने के बाद प्रसाद लेकर ग्रहण करने के साथ ही जयकारा लगाते रहे। फलाहार कार्यक्रम में महिलाओं पुरुषों व बच्चों का उत्साह पूरी

तरह से भक्तिमय माहौल में दिखने को मिला। सप्तमी तिथि के दिन हि चंगेरा पैलेस में नगर पालिका परिषद बांसी के अध्यक्ष मो इद्रीश राइनी पटवारी व पूर्व अध्यक्ष चमन आरा राइनी के द्वारा फलाहार कार्यक्रम का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधान सभा अध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने मां दुर्गा प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर और ब्रह्म लीन टेकधर मन्दिर के पुजारी द्वारा आरती कि गई उसके बाद फलाहार कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। फलाहार कार्यक्रम के दौरान मां दुर्गा का जय घोष होता रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ज्ञानेन्द्र द्विवेदी, कालिका प्रसाद त्रिपाठी, रमेश उपाध्याय, पूर्व प्रमुख तुफैल अहमद, राधेश्याम जायस्वाल, ध्यानश्याम जासवाल, एस एम कुतुब, परवेज अहमद, बरकत अली, प्रमोद अग्रहरी, हारून, ईओ विंध्याचल, नपा कर्मी गिरीश चन्द्र पाण्डेय, इशरत जमील रिजवी, राज कुमार पाण्डेय, राजेश वर्मा करीम राइनी, सुधीर मौर्य, विनीता मिश्र, कमलेश मिश्र, ईश्वर चंद दुबे, योगेन्द्र मिश्र, पूर्व नपा अध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव, ऋषि श्रीवास्तव, मंगल प्रसाद चौरसिया, जगदंबा मिश्रा, अमित त्रिपाठी, गणेश वर्मा, आनंद मणि त्रिपाठी, गौरी शंकर अग्रहरि, सोनू चौधरी, मोनू सिंह, हरिशंकर चौरसिया, मुन्ना सिंह, सौरभ त्रिपाठी, ओपी अग्रहरि, अनुराग अग्रहरि, अनुराग श्रीवास्तव, दीपक अग्रहरि, सुरेश अग्रहरि, संजय रावत, सचिन पटवा, रामचरण मौर्या, मनीष वर्मा, प्रमोद कुमार गुप्ता, बंटी जयसवाल, ओम प्रकाश चौधरी, अनुराग श्रीवास्तव, रवि चौधरी, देवेश पांडे, प्रेम बाबा, विनय तिवारी, अंकुर श्रीवास्तव, सहित श्रद्धालुगण और मित्रगण उपस्थित रहे जय माता दी।

पिकप के साथ 22 क्विंटल राशन सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। कोतवाली क्षेत्र के बीओपी पोखरभिट्वा

एसएसबी एवं बजहा चौकी पुलिस की संयुक्त गस्त के दौरान पिकप के साथ 22 क्विटल 80 किलो चावल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। वारिश अली पुत्र दीन मोहम्मद निवासी पोखरभिट्वा ने पिकअप द्वारा राशन को नेपाल बार्डर पार करने के फिराक में था। जिसे जवानों ने पकड़ कर सीज कर दिया। विधिक कार्यवाही करते हुए सामाग्री सहित युवक को कस्टम कार्यलय खुनुआ भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में एसएसबी के विक्रम सिंह, सतीश कुमार, चितरंजन, राजेश कुमार राजू, पुलिस के चौकी प्रभारी चंद्रभान रॉय, रामबचन, धर्मेंद्र कुमार शामिल रहे। जानकरी अनुपम शर्मा ने दिया।

गाय या भैंस को नियमित पांच से दस किलो हरा चारा खिलायें– डॉ बलराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। हरा चारा पशु स्वास्थ्य वर्धक होता है। दूध दे रहे गाय या भैंस को नियमित पांच से दस किलो हरा चारा खिलाया जाना चाहिए। इस बात की जानकारी पशुचिकित्साधिकारी जोगिया डॉ बलराम चौरसिया ने बंगरा में एल एस डी निरोधक टीकाकरण

शिविर में पशु पालकों को दी। बताया कि हरा चारा में प्रोटीन, विटामिन सहित सभी उपयोगी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में मौजूद रहते हैं। समुचित भूसा, दाना के साथ हरा चारा भी दिया जाए तो पशु स्वस्थ रहते हैं तथा उनसे अपेक्षित उत्पादन भी मिलता रहता है। बताया कि इस समय पौष्टिक हरा चारा ज ई का प्रमाणित बीज रू 38ध्प्रति किलो के दर से पशु चिकित्सालय पर उपलब्ध है। पशु पालक भाई आवश्यकतानुसार बीज प्राप्त कर समय से बुआई कर लें। इस अवसर 48 गों वंश में सुरक्षात्मक टीकाकरण किया गया तथा गायों की संख्या में हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए, गो पालन को बढावा देने के लिए प्रेरित किया। मौके पर प्रधान सहेंद्र, जोखन, कलावती, रामरती, सुरेश, प्रमोद व नीलम सहित अन्य पशुपालक मौजूद रहे।

जाने माता वैष्णोदेवी का इतिहास,सभी को मिलता है आर्शीवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोलाबाजार/गोरखपुर। वैष्णो–देवी उत्तरी भारत के सबसे पूजनीय और पवित्र स्थलों में से एक है। यह मंदिर पहाड़ पर स्थित होने के कारण अपनी भव्यता व सुंदरता के कारण भी प्रसिद्ध है। वैष्णो देवी भी ऐसे ही स्थानों में एक है जिसे माता का निवास स्थान माना जाता है। मंदिर 5,200 फीट की ऊंचाई और कटरा से लगभग 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हर साल लाखों तीर्थ यात्री मंदिर के दर्शन करते है। यह भारत में तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर के बाद दूसरा सर्वाधिक देखा जाने वाला धार्मिक तीर्थस्थल है वैसे तो माता वैष्णो देवी के सम्बन्ध में कई पौराणिक कथाएं प्रचलित है लेकिन मुख्य 2 कथाएँ अधिक प्रचलित है। माता वैष्णो देवी की प्रथम कथा मान्यतानुसार एक बार पहाड़ों वाली माता ने अपने एक परम भक्तपंडित श्रीधर की भक्ति से प्रसन्न होकर उसकी लाज बचाई और पूरे सृष्टि को अपने अस्तित्व का प्रमाण दिया। वर्तमान कटरा कस्बे से 2 कि. मी. की दूरी पर स्थित हंसाली गांव में मां वैष्णवी के परम भक्त श्रीधर रहते थे वह निःसंतान होने से दुरूखी रहते थे। एकदिन उन्होंने नवरात्रि पूजन के लिए कुँवारी कन्याओं को बुलवाया। माँ वैष्णो कन्या वेश में उन्हीं के बीच आ बैठी। पूजन के बाद सभी कन्याएं तो चली गई पर माँ वैष्णो देवी वहीं रहीं और श्रीधर से बोली 'सबको अपने घर भंडारे का निमंत्रण दे आओ श्रीधर ने उस दिव्य कन्या की बात मान ली और आस पास के गाँवों में भंडारे का संदेश पहुँचा दिया। वहाँ से लौटकर आते समय गुरु गोरखनाथ व उनके शिष्य बाबा भैरवनाथ के साथ उनके दूसरे शिष्यों को भी भोजन का निमंत्रण दिया भोजन का निमंत्रण पाकर सभी गांववासी अचंभित थे कि वह कौन सी कन्या है जो इतने सारे लोगों को भोजन करवाना चाहती है।

इसके बाद श्रीधर के घर में अनेक गांववासी आकर भोजन के लिए एकत्रित हुए। तब कन्या रुपी माँ वैष्णो देवी ने एक विचित्र पात्र से सभी को भोजन परोसना शुरू किया। भोजन परोसते हुए जब वह कन्या भैरवनाथ के पास गई तब उसने कहा कि मैं तो खीर पूड़ी की जगह मांस भक्षण और मदिरापान करुंगा। तब कन्या रुपी माँ ने उसे समझाया कि यह ब्राह्मण के यहां का भोजन है, इसमें मांसाहार नही किया जाता। किंतु भैरवनाथ ने जान बुझकर अपनी बात पर अड़ा रहा। जब भैरवनाथ ने उस कन्या को पकडना चाहा तब माँ ने उसके कपट को जान लिया। माँ ने वायु रूप में बदल कर त्रिकूट पर्वत की ओर उड़ चली। भैरवनाथ भी उनके पीछे गया। माना जाता है कि माँ की रक्षा के लिए पवनपुत्र हनुमान भी थे। मान्यता के अनुसार उस वक्त भी हनुमानजी माता की रक्षा के लिए उनके साथ ही थे। हनुमानजी को प्यास लगने पर माता ने उनके आग्रह पर धनुष से पहाड़ पर बाण चलाकर एक जलधारा निकाला और उस जल में अपने केश धोए। आज यह पवित्र जलधारा बाणगंगा के नाम से जानी जाती है जिसके पवित्र जल का पान करने या इससे स्नान करने से श्रद्धालुओं की सारी थकावट और तकलीफे दूर हो जाती है। इस दौरान माता ने एक गुफा में प्रवेश कर नौ माह तक तपस्या की भैरवनाथ भी उनके पीछे वहां तक आ गया। तब एक साधु ने भैरवनाथ से कहा कि तू जिसे एक कन्या समझ रहा है वह आदिशक्ति जगदम्बा है। इसलिए उस महाशक्ति का पीछा छोड़ दे। भैरवनाथ साधु की बात नही

मानी तब माता गुफा की दूसरी ओर से मार्ग बनाकर बाहर निकल गईं यह गुफा आज भी अर्धकुमारी या आदिकुमारी या गर्भजून के नाम से प्रसिद्ध है। अर्धक्वाँरी के पहले माता की चरण पादुका भी है।

यह वह स्थान है जहाँ माता ने भागते–भागते मुड़कर भैरवनाथ को देखा था। गुफा से बाहर निकल कर कन्या ने देवी का रूप धारण किया। माता ने भैरवनाथ को चेताया और वापस जाने को कहा। फिर भी वह नही माना माता गुफा के भीतर चली गई। तब माता की रक्षा के लिए हनुमानजी ने गुफा के बाहर भैरव से युद्ध किया। भैरव ने फिर भी हार नही मानी जब वीर हनुमान निढाल होने लगे तब माता वैष्णवी ने महाकाली का रूप लेकर भैरवनाथ का संहार कर दिया। भैरवनाथ का सिर कटकर भवन से 8 किमी दूर त्रिकूट पर्वत की भैरव घाटी में गिरा उस स्थान को भैरोनाथ के मंदिर के नाम से जाना जाता है जिस स्थान पर माँ वैष्णो देवी ने हठी भैरवनाथ का वध किया वह स्थान पवित्र गुफा' अथवा 'भवन के नाम से प्रसिद्ध है। इसी स्थान पर माँ काली (दाएँ) माँ सरस्वती (मध्य) और माँ लक्ष्मी (बाएँ) पिंडी के रूप में गुफा में विराजित है। इन तीनों के सम्मिलत रूप को ही माँ वैष्णो देवी का रूप कहा जाता है इन तीन भव्य पिण्डियों के साथ कुछ श्रद्धालु भक्तों एव जम्मू कश्मीर के भूतपूर्व नरेशों द्वारा स्थापित मूर्तियाँ एवं यन्त्र इत्यादी है। कहा जाता है कि अपने वध के बाद भैरवनाथ को अपनी भूल का पश्चाताप हुआ और उसने माँ से क्षमादान की भीख माँगी। माता वैष्णो देवी जानती थी कि उन पर हमला करने के पीछे भैरव की प्रमुख मंशा मोक्ष प्राप्त करने की थी उन्होंने न केवल भैरव को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति प्रदान की बल्कि उसे वरदान देते हुए कहा कि मेरे दर्शन तब तक पूरे नहीं माने जाएँगे जब तक कोई भक्त मेरे बाद तुम्हारे दर्शन नहीं करेगा उसी मान्यता के अनुसार आज भी भक्त माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के बाद 8 किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई चढ़कर भैरवनाथ के दर्शन करने को जाते है। इस बीच वैष्णो देवी ने तीन पिंड (सिर) सहित एक चट्टान का आकार ग्रहण किया और सदा के लिए ध्यानमग्न हो गईं। इस बीच पंडित श्रीधर अधीर हो गए। वे त्रिकुटा पर्वत की ओर उसी रास्ते आगे बढ़े जो उन्होंने सपने में देखा था अंततः वे गुफा के द्वार पर पहुंचे, उन्होंने कई विधियों से 'पिंडों' की पूजा को अपनी दिनचर्या बना ली देवी उनकी पूजा से प्रसन्न हुईं वे उनके सामने प्रकट हुईं और उन्हें आशीर्वाद दिया तब से श्रीधर और उनके वंशज देवी मां वैष्णो देवी की पूजा करते आ रहे है।

जुलूसे मोहम्मदी की तैयारी को लेकर बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन जश्न ए ईद मिलादुन नबी के अवसर पर निकलने वाले जुलूसे मोहम्मदी की तैयारी बैठक नगर के अंजुमन इस्लामिया सीरतुननबी मदरसा अरबिया अहले सुन्नत में सोमवार को सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जुलूस में डीजे नहीं बजेगा। बैठक को सम्बोधित करते हुए संस्था के सदर शमीम अहमद ने कहा कि जुलूस की पाकीजगी का पूरा खध्याल रखा जाए, डीजे बजाने पर रोक लगाया जाय, कव्वाली व म्यूजिकल नात न बजाया। जुलूस में शरीक होने के लिए आगे पीछे होने का मामला पेश कर विवाद नहीं होना चाहिए जिस क्रम में जो आए वह उसी क्रम में शामिल हो जाए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जुलूस में ट्रेक्टर ट्राली पर बच्चों आदि को बैठाकर न लाया जाय। बैठक को संस्था के मैनेजर मुखध्तार अहमद, नाजिम अफजाल अहमद, मदरसे के सदर मुदर्रिस निजामुद्दीन नूरी,मुस्तकीम कामिल आदि ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर अब्दुल हकीम, आलमगीर, सनाउल्लाह निजामी, दाऊद, मोइनुद्दीन फैजी, असलम कादरी, मो उमर, मुस्तकीम, अलीमुद्दीन, हबीबुर्रहमान, असगर अली, अजहर हुसेन आदि उपस्थित थे।

चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का सातवां चक्र का समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। ब्लाक संसाधन केंद्र मिठवल में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का सातवां चक्र का समापन खंड शिक्षा अधिकारी राम कुमार सिंह द्वारा शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को प्रमाण पत्र देकर किया गया, खण्ड शिक्षा अधिकारी रामकुमार सिंह ने शिक्षकों को सप्ताहिक कैलेंडर के अनुसार शिक्षण कार्य करने की बात कही गई और अपने विद्यालय को निपुण विद्यालय एवं आदर्श विद्यालय के रूप में स्थापित करने की अपील की, सभी अपने–अपने दायित्वों व कर्तव्यों को समझें, समय से विद्यालय पहुंचे और पूर्ण मनोयोग से गतिविधियों के साथ शिक्षण कार्य करें, प्रशिक्षक के रूप में ए आर पी सौरभ प्रकाश सिंह, विक्रमादित्य, आदेश कुमार त्यागी, अशोक कुमार द्वारा भाषा एवं गणित शिक्षण के एक से बाइसवें सप्ताह तक की शिक्षण कार्य योजना, समेकन एवं आकलन ,रेडियल एवं पुनरावृति का विस्तृत रूप से चर्चा की गई, बच्चे एवं शिक्षकों के बीच आत्मीय संबंध, पीटीएम बैठक, डायट मेंटर, एसआरजी आरपी की भूमिका से परिचय कराया गया, वार्षिक शिक्षण योजना, सप्ताहिक शिक्षण योजना, अभ्यास कार्य पत्रक, अभ्यास गतिविधियां, कार्यपुस्तिका ट्रैकर आदि पर प्रशिक्षकों द्वारा विस्तृत प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक–शिक्षिकाओं में दीप चन्द अग्रहरि, वृहस्पति मणि त्रिपाठी, किरन, सुनीता गुप्ता, गायत्री देवी, विजय राय, सुग्रीव वर्मा, शिशिर त्रिपाठी, कुमारी लक्ष्मी, अनुपमा पाण्डेय, अंजली पवार आदि सहित प्रशिक्षण प्रभारी शैलेश श्रीवास्तव, रणवीर सिंह, सत्यव्रत मिश्रा, सत्य प्रकाश, अब्दुल्ला आदि बीआरसी स्टॉफ भी उपस्थित थे।

पोखरी पर किये गए अतिक्रमण को जेसीबी लगा कर हटवाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला बाजार/गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र

के ग्राम सभा सेमरी में स्थित पोखरी आराजी संख्या 440 पर गांव के ही एक दबंग द्वारा किये गए अतिक्रमण को गोला तहसील प्रशासन ने सज्ञान में लेते हुए सोमवार को नायब तहसीलदार गोला पंकज कुमार गुप्ता के नेतृत्वमें राजस्व कर्मी व पुलिस बल की संयुक्त टीम ने सेमरी गांव पहुच कर जे सी बी लगवा कर अतिक्रमण को हटवा दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार सेमरी गांव के ही चंद्रभान उर्फ झिनक तिवारी पोखरी आराजी संख्या 440 पर बाउंड्री वाल चलाकर अतिक्रमण कर लिए थे। जिसपर गांव के लोगो द्वारा आपत्ति की गई थी। उस आपत्ति को सज्ञान में लेकर गोला तहसील प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सेमरी गाँव पहुच कर पुलिस बल के साथ दो घण्टे कड़ी मेहनत कर जे सी बी लगवाकर अतिक्रमण हटवा दिया। टीम में प्रमुख रूप से राजस्वकर्मी उपेंद्र कुमार ओमप्रकाश यादव व एस आई शैलेश कुमार सिंह यादव कॉन्स्टेबल दिलीप सोनी आदि के साथ गांव के लोग भी उपस्थित रहे।

बलि वध एवं सुग्रीव मित्रता का हुआ मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। श्रीपयोहारी आश्रम उसका राजा द्वारा

आयोजित रामलीला में चौथे दिन सोमवार को पुलिस सहायता केंद्र के सामने रामजानकी मार्केट में बालिबध एवं सुग्रीव नित्रता का भावपूर्ण मंचन हुआ। दर्शक रामलीला देखकर रोमांचित हुये। सीता जी का खोज करते राम व लक्ष्मण जी ऋष्यमूक पर्वत के समीप पूछे। बालि के भय से उसका छोटा भाई सुग्रीव उसी पर्वत पर रहता था। सुग्रीव हनुमान जी को भेजा कि पता करिये यह दोनों युवक कही बालि के भेजे लोग तो नही है। हमारा वध करने आ रहे हों। हनुमान जी का श्रीराम से वार्तालाप हुआ फिर सुग्रीव व राम की मित्रता हुई। मित्र का संकट हरने के लिए श्रीराम ने एक ही बाण से बालि का वध कर दिया। इस दौरान रामलीला आयोजक महंथ लाल बहादुर दास, पुजारी रमाकांत त्रिपाठी सहित राधेश्याम द्विवेदी, सिद्धार्थ सिंह गहरवार, रामवृक्ष साहनी, राघव द्विवेदी, सत्यम शुक्ला आदि लोग शामिल रहे।

सम्पादकीय

चुनाव होगा या थरूर की नाम वापसी?

जी 23 के नेताओं ने मौजूदा नेतृत्व को चुनौती दी थी और बदलाव की मांग की थी। लेकिन जब मौका आया तो उन्होंने नेतृत्व का ही साथ देने का फैसला किया। उस समूह के किसी नेता ने थरूर का साथ नहीं दिया। तभी वे उनके दबाव में नहीं आएंगे। लेकिन उनके अलावा पार्टी के कुछ बड़े नेता भी थरूर से संपर्क ...

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का मैदान सज गया है। सोनिया और राहुल गांधी के अघोषित समर्थन के साथ मल्लिकार्जुन खडगे ने परचा भरा है तो बदलाव की अपील करते हुए शशि थरूर ने नामांकन किया है। एक तीसरे उम्मीदवार भी हैं, झारखंड के केएन त्रिपाठी, जिन्होंने अपने को किसान का बेटा और सोनियाजी का बेटा बताते हुए नामांकन दाखिल किया है। इन तीनों ने नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन यानी 30 सितंबर को परचा भरा। अब आठ अक्टूबर तक नाम वापसी का समय है। अगर आठ अक्टूबर के बाद भी एक से ज्यादा उम्मीदवार मैदान में रहते हैं तो 17 अक्टूबर को मतदान होगा। कांग्रेस के करीब नौ हजार डेलिगेट्स अध्यक्ष पद के लिए मतदान करेंगे। अब सवाल है कि कांग्रेस अध्यक्ष का मामला 17 अक्टूबर तक जाएगा या आठ अक्टूबर के पहले निपट जाएगा? यानी चुनाव होगा या थरूर और त्रिपाठी नाम वापस लेंगे, जिसके बाद मल्लिकार्जुन खडगे को आम सहमति से निर्वाचित घोषित किया जाएगा? यह सवाल इसलिए है क्योंकि पार्टी के नेताओं का एक बड़ा समूह ऐसा है, जो आम सहमति से कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का समर्थन कर रहा है। बदलाव की मांग करने वाले जी 23 समूह के नेता भी चाह रहे हैं कि खडगे जैसे वरिष्ठ नेता के साथ चुनाव की नौबत नहीं आनी चाहिए। वैसे उनका बड़े अंतर से जीतना तय है फिर भी नेता चाह रहे हैं कि ज्यादा सम्मानजनक यह होगा कि वे निर्विरोध चुनाव जीतें। पर मुश्किल यह है कि शशि थरूर इसके लिए तैयार नहीं हैं। वे चुनाव लडने पर अड़े हैं। उन्होंने खुल कर कहा है कि मल्लिकार्जुन खडगे कांग्रेस के भीष्म पितामह की तरह हैं लेकिन वे यथास्थितिवाद के साथ हैं। उनका कहना है कि अगर खडगे अध्यक्ष बनेंगे तो कुछ भी नहीं बदलेगा। उन्होंने अपने को बदलाव का समर्थक बताते हुए चुनाव लडने को जस्टिफाई किया है। इसलिए उनसे नाम वापस कराना आसान नहीं होगा। वैसे भी थरूर को अब जी 23 के नेताओं से सरोकार नहीं है क्योंकि उन सभी नेताओं ने थरूर का साथ छोड़ दिया। जी 23 के नेताओं ने मौजूदा नेतृत्व को चुनौती दी थी और बदलाव की मांग की थी। लेकिन जब मौका आया तो उन्होंने नेतृत्व का ही साथ देने का फैसला किया। उस समूह के किसी नेता ने थरूर का साथ नहीं दिया। तभी वे उनके दबाव में नहीं आएंगे। लेकिन उनके अलावा पार्टी के कुछ बड़े नेता भी थरूर से संपर्क कर सकते हैं। उन पर नाम वापसी का दबाव बनाया जा सकता है। इस बीच एक थ्योरी यह भी चलाई जा रही है कि थरूर भी पार्टी आलाकमान के ग्रैंड प्लान का पार्ट हैं और आठ अक्टूबर से पहले वे भी थरूर की वरिष्ठता और उनके अनुभव का हवाला देते हुए नाम वापस ले लेंगे।

गर्भपात और महिला अधिकार

वेद प्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय ने भारत की महिलाओं के अधिकारों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। उसने अपने ताजातरीन फैसले में सभी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार दे दिया है, वे चाहे विवाहित हों या अविवाहित हों। भारत में चले आ रहे पारंपरिक कानून में केवल विवाहित महिलाओं को ही गर्भपात का अधिकार था। वे गर्भ–धारण के 20 से 24 हफ्ते में अपना गर्भपात करवा सकती थीं लेकिन ऐसी महिलाएं, जो अविवाहित हों और जिनके साथ बलात्कार हुआ हो या जो जान–बूझकर या अनजाने ही गर्भवती हो गई हों, उन्हें गर्भपात का अधिकार अब तक नहीं था। उसका नतीजा क्या होता रहा? ऐसी औरतें या तो आत्महत्या कर लेती हैं, या छिपा–छिपाकर घर में ही किसी तरह गर्भपात की कोशिश करती हैं या नीम–हकीमों और डॉक्टरों को पैसे खिलाकर गुपचुप गर्भमुक्त होने की कोशिश करती हैं। इन्हीं हरकतों के कारण भारत में 8 प्रतिशत गर्भवती औरतें रोज मर जाती हैं। लगभग 70 प्रतिशत गर्भपात इसी तरह के होते हैं। जो औरतें बच जाती हैं, वे इस तरह के गर्भपातों के कारण शर्म और बिमारियों की शिकार हो जाती हैं। भारत में गर्भपात संबंधी जो कानून 1971 और संशोधित कानून 2021 में बना, उसमें अविवाहित महिलाओं का गर्भपात गैर–कानूनी या आपराधिक माना गया था। अब सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसी ही महिला के मामले पर विचार करते हुए सभी महिलाओं को गर्भपात की छूट दे दी है। जाहिर है कि संसद अब इस आदेश को लागू करने के लिए कानून बनाएगी। इसके साथ–साथ अदालत ने यह भी माना है कि यदि कोई विवाहित स्त्री अपने पति के बलात्कार के कारण गर्भवती हुई है तो उससे भी गर्भपात की छूट देनी चाहिए। यह जरुरी नहीं है कि जो भी अविवाहित महिला गर्भवती होती हैं, वह व्यभिचार के कारण ही होती है। इसके अलावा गर्भपात के लिए अन्य कई अनिवार्य कारण भी बन जाते हैं। उन सब पर विचार करते हुए अदालत का उक्त फैसला काफी सही लगता है लेकिन डर यही है कि इसके कारण देश में व्यभिचार और बलात्कार की घटनाएं बढ़ सकती हैं, जैसा कि यूरोप और अमेरिका में होता है। दुनिया के 67 देशों में गर्भपात की अनुमति सभी महिलाओं को है। कुछ देशों में गर्भपात करवाने के पहले उसका कारण बताना जरुरी होता है। केथोलिक ईसाई और मुस्लिम राष्ट्रों में प्रायरू गर्भपात के प्रति उनका रवैया कठोर होता है लेकिन सउदी अरब और ईरान जैसे देशों में इसकी सीमित अनुमति है। दुनिया के 24 देशों में अभी भी गर्भपात को अपराध ही माना जाता है। भारत में गर्भपात की अनुमति को व्यापक करके सर्वोच्च न्यायालय ने स्त्री–स्वातंत्र्य को आगे बढ़ाया है लेकिन तलाक के पेचीदा कानून में भी तुरंत सुधार की जरूरत है। तलाक की लंबी मुकदमेबाजी और खर्च से भी लोगों का छुटकारा होना चाहिए। इस संबंध में संसद कुछ पहल करे तो वह बेहतर होगा।

मर्यादित जीवन का संदेश

अतएव सनातन संस्कृति ने अमर्यादित क्रियाकलाप को निषिद्ध बताया। ध्यातव्य है कि मर्यादारहित व्यक्ति अपयश के साथ ही हानि को भी प्राप्त करता है। कालजयी साहित्यकारों ने मर्यादा के पालन को आवश्यक अनुभूत किया। समाज को यह सुविचार संप्रेषित किया कि जो मर्यादा का उल्लंघन करता है वह स्वयं तो मलिनता को प्राप्त करता ही है, समीपवर्ती परिवेश को भी दूषित बनाता है। लौकिक...

ऋग्वेद में मर्यादा पालन के सन्दर्भ में मंत्र उल्लिखित है– सप्त मर्यादाः कवयस्तत क्षुस्तासामेकामिदभ्यंहुरोगात्। ऋग्वेदध 10ध05ध27 धर्म ग्रंथों में सात मर्यादाएं निर्दिष्ट हैं। मर्यादा का अर्थ है– विचारों में, कर्मों में और व्यवहार में नैतिक सीमा का ध्यान रखना, सामाजिक– सांस्कृतिक मूल्यों की परिधि में रहना। अमर्यादित आचरण सदोष बताया गया। सामाजिक सुव्यवस्था और सांस्कृतिक तत्वों के संरक्षण के निमित्त मर्यादा पालन की अपेक्षा है। वैदिक वाङ्मय में पापकृत्य से बचाने के लिए मर्यादाओं का निध ारण हुआ। जीवन में स्वच्छंद मनोवृति को अवरुद्ध करने के लिए 'मर्यादा' की अवधारणा की गई। मर्यादा का उल्लंघन लोकविरोधी कृत्य है। फलतः सर्वविध कल्याणार्थ मनुष्य द्वारा इनका पालन विहित है। मर्यादित विचार ही जीवन को गतिमान करते हैं, सांस्कृतिक परंपरा को अविच्छिन्न करते हैं। क्रांतदर्शी ऋषि–मुनियों की दूरदर्शी आकांक्षा रही है कि मर्यादावादी जीवनपद्धति की विशद विवृति से लोकमंगल विस्तारित हो। मर्यादा का पालन वैयक्तिकध्सामाजिक उत्कर्ष में सहायक है। इसलिए सचेत किया गया कि सदाचरण, संयमन और आत्मानुशासन से च्युत होना अनिष्टकारी है– आचारः परमो धर्मः सर्वेषामिति निश्चयः। हीनाचारपरीतात्मा प्रेत्यचेह विनश्यति।। वसिष्ठस्मृतिध्षष्ठ अध्यायध श्लोक 1 राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, उनका श्रेष्ठ आचरण उनके मर्यादावादी व्यापक दृष्टिकोण का ज्ञापक है। राम उत्कृष्ट व्यक्तित्व से समृद्ध हैं जहां संघर्षों के मध्य भी मर्यादा के त्याग का किंचित् स्थान नहीं। उनकी चारित्रिक विशिष्टताएं जनमानस को संयमित एवं मर्यादित जीवन हेतु अनुप्राणित करती हैं। राम का उदात्त चरित्र मानवमात्र को मर्यादित जीवन जीने का संदेश देता है। उनके मर्यादित चरित्र का अनुकरण सर्वविध लोकाभ्युदयकारी है। अतः मर्यादित जीवन जीने का आग्रह है, आत्मानुशासन को केंद्रित करने की अपेक्षा है। शूर्पणखा, बाली, रावण आदि के सदोष आचरण का दुष्परिणाम उद्घोषित करता है कि मानव जीवन की सफलता और सार्थकता मर्यादित जीवन में निहित है। अस्तु, विश्वजनीन सनातन संस्कृति मर्यादा पालन पर विशेष बल देती है, उत्कृष्ट जीवनप्रणाली का प्रशिक्षण देती है। यहां मर्यादा का पालन एक सांस्कृतिक विचारणा है। मर्यादापूर्ण आचरण जीवन को सात्विक बनाता है, संस्कृति को सुपोषित करता है। मनुष्य मर्यादा में रहकर ही लोक में प्रशस्त हो सकता है। जीवन की उत्कृष्टता मर्यादा पालन में है। यही संस्कारित एवं मर्यादित पद्धति है। यही जीवन का सौंदर्य है। यही व्यक्तिध्समाजध्राष्ट्र को उल्लेखनीय बनाता है। व्यक्ति के साथ– साथ संपूर्ण परिवेश के लिए मर्यादा की अवहेलना अहितकारी है। इसका उपेक्षा सम्मान और सुख– शांति को बाधित करती है। अतएव सनातन संस्कृति ने अमर्यादित क्रियाकलाप को निषिद्ध बताया। ध यातव्य है कि मर्यादारहित व्यक्ति अपयश के साथ ही हानि को भी प्राप्त करता है। कालजयी साहित्यकारों ने मर्यादा के पालन को आवश्यक अनुभूत किया। समाज को यह सुविचार संप्रेषित किया कि जो मर्यादा का उल्लंघन करता है वह स्वयं तो मलिनता को प्राप्त करता ही है, समीपवर्ती परिवेश को भी दूषित बनाता है। लौकिक उद्धरण है कि सीमाओं को तोड़घ्ने बाली सरिता विनाश का कारण बनती है किंतु मर्यादा में रहने पर वही जीवनदायिनी सिद्ध होती है– कूलंकषेव सिंधुः प्रसन्नमम्भस्तटरूं च– कालिदासप्रणीत अभिज्ञान शाकुंतलम्ध अंक 5ध्श्लोक 21 राष्ट्र की उत्कृष्टता नैतिक मूल्यों पर निर्भर है। वही राष्ट्र उच्च मानकों का संस्पर्श करता है जहां तद्देशवासी नैतिक मूल्यों के पालन के संदर्भ में सजगता से संयुक्त होते हैं। स्मरणीय है कि मर्यादा पालन उच्च नैतिक मूल्य है जिसकी उपेक्षा समाजध्राष्ट्र के लिए हितकर नहीं। यही कारण है कि वैदिक संहिताएं और नीति ग्रंथ मर्यादा पालन पर बल देते हैं। निश्चय ही, मर्यादा को लांघना सर्वथा भर्त्सना योग्य अतएव त्याज्य है। यह विडम्बना ही है कि वर्तमान में भौतिकवादी युगीन व्यवस्था में पाश्चात्य प्रभाव के कारण संदर्भित चेतना की कमी दिखाई दे रही है। अस्तु, लोकमंगल की प्रतिष्ठापना हेतु मर्यादित, संयमित और अनुशासित जीवन को प्राथमिकता देना समीचीन है। आचरण तथा व्यवहार पर संयम वैयक्तिकध्सामाजिक सुरक्षा, सुव्यवस्था और कल्याण की दृष्टि से भी वांछित है। अतः 'आचारः परमो धर्मः' के आदर्श को शीर्ष पर रखते हुए मर्यादित आचरण हेतु संकल्पित होना वांछित है।

डॉ.कनक रानी/पूर्व प्राचार्य, आर्य महिला डिग्री कालेज/ दैनिक बुद्ध का संदेश

साम्प्रदायिकता को सुलझाने का गांधी का तरीका

{ ंधीजी को देख पाने में असमर्थ भिखारी ने अपने चार आने उनके चरणों में रख दिए, जो उसने भीख मांगकर एकत्रित किए थे। यह उस कोष के लिए उसका सहयोग था जो गांधीजी ने बिहार के पीड़ित मुसलमानों के कष्ट निवारण के लिए शुरू किया था। हर्ष से भरे गांधी जी ने कहा कि इस व्यक्ति ने अपना सर्वस्व दान में दिया है, यह दान तो चार करोड़ रुपये के बराबर है। उन्होंने प्यार से भिखारी की ... }

अरुण कुमार डनायक

जब गांधीजी के सामने मुस्लिमों को विस्थापित करने का प्रस्ताव श्मुस्लिम लीगश के नेताओं ने प्रस्तुत किया तो उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया और अपना जोर इस दिशा में लगाया कि हिंदुओं का हृदय परिवर्तन कर उन्हें दंगा पीड़ित मुसलमानों को उनके ही घरों में बसाने के लिए प्रेरित किया जाय। गांधीजी को अपने इस मिशन में पर्याप्त सफलता मिली और इस प्रकार उनकी सद्भावना और सर्व–धर्म–समभाव की नीति ने भारत के एक बड़े भू–भाग को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश को ध्वस्त कर दिया।

कलकत्ता में जिन्ना की सीधी कार्रवाई का सबसे ज्यादा असर हुआ था। पहले हिन्दू विरोधी दंगे हुए और लगभग पांच हजार लोग मारे गए, जवाब में हिंदुओं ने भी उग्र हिंसात्मक प्रदर्शन किए और मुसलमानों का कत्लेआम किया। नफरत और हिंसा का उत्तर तो प्रतिहिंसा ही है, ऐसा एक बार फिर सिद्ध हुआ और पूर्वी बंगाल में नोआखली, जहां अस्सी प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी थी, हिन्दू विरोधी दंगे भड़क उठे। इन दंगों को शांत कराने गांधीजी वहां गए और लगभग चार महीने तक वहां के ग्रामीण इलाकों का भ्रमणकर कौमी एकता स्थापित करते रहे।

अपना मिशन पूर्ण कर जब वे एक बार फिर नोआखाली की यात्रा की योजना बना रहे थे तब उन्हें लगातार बिहार की बिगड़ती स्थितियों के संदेश मिल रहे थे। कलकत्ता में हुई सीधी कारवाई का दुष्परिणाम नोआखाली में हिंदुओं का कत्लेआम था, तो नोआखाली की घटनाओं ने बिहार को सांप्रदायिकता की आग में धकेल दिया था। यद्यपि बिहार में कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार काम कर रही थी, केंद्र से भी अनेक नेताओं ने बिहार की स्थिति को काबू करने के लिए दौरे शुरू कर दिए थे। पंडित नेहरू तो स्वयं बिहार आए और उन्होंने मुसलमानों को आश्वस्त करने का सफल प्रयास किया, लेकिन हिन्दू विद्यार्थियों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन से एक बार फिर मुसलमान दहशत में आ गए।

मुस्लिम नेताओं को भय था कि यदि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनी तो मुसलमानों का सफाया कर दिया जाएगा। केवल गांधीजी ही मुसलमानों के मन से इस भय को दूर कर सकते हैं, ऐसा अनेक मुस्लिम नेताओं का मानना था। गांध ीजी ने भी बिहार जाना तय किया और वे 2 मार्च 1947 को हावड़ा से पटना के लिए रवाना हो गए। पटना में उनसे मिलने वालों ने उन्हें जो जानकारियां दीं उससे वे काफी व्यथित हुए। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने भी उन्हें बताया कि मुसलमानों के आर्थिक विरोध का आह्वान किया जा रहा है।

दोनों नेताओं का यह मत था कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय एक दूसरे से गुंथे हुए हैं। हिंदुओं में विवाह अगर ब्राह्मण करवाता है, तो चूड़ियां मुस्लिम फेरी वाले देते हैं, नाई और हज्जाम मुसलमान हैं और इनके सहयोग के बिना हिंदुओं का सबसे पवित्र संस्कार विवाह तक नहीं हो सकता। ऐसे में दोनों को अलग कर देना किसी जिंदा आदमी के हाथ–पैर काटकर अलग कर देना होगा। गांधीजी ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सलाह दी कि यदि सभी लोग सहज निष्ठा से सांप्रदायिक सौहाद्र स्थापित करने में जुट जाएं तो एक बार फिर चंपारण जैसा चमत्कार हो सकता है।

गांधीजी के सामने एक और चुनौती थी– नोआखाली में जब कोई दंगा–पीडित हिन्दू उनके पास आकर अपना दुख सुनाता तो गांधीजी उस व्यक्ति को रोने–कलपने पर उलाहना देते हुए ईश्वर पर विश्वास रखने और आत्म–बलिदान का पाठ पढ़ाते थे, लेकिन बिहार में मुसलमानों को उन्होंने ऐसी सलाह नहीं दी क्योंकि यहां उन्हें अभी मुसलमानों की असंदिग्ध दोस्ती और विश्वास को जीतना बाकी था। ऐसे में उलाहने को उनकी हृदयहीनता मानी जाती। गांधीजी का मत था कि वे हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हैं। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में दोनों संप्रदायों के बीच कभी भी भेदभाव नहीं किया था। उनका यह विश्वास सही भी था। उनकी बात मुसलमान 1920 से मानते आ रहे थे और भारत की आजादी के लिए चलाए जा रहे विभिन्न आंदोलनों में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे थे। लेकिन 1942 में श्भारत छोड़ो आंदोलनश के समय जब कांग्रेसी नेता जेल में बंद थे, तब जिन्ना की श्मुस्लिम लीगश को मुस्लिमों के बीच घुसपैठ का अवसर मिला। जिन्ना बहुसंख्य मुसलमानों को यह समझाने में कामयाब रहे कि गांध ीजी हिंदुओं के नेता हैं तथा श्मुस्लिम लीगश ही मुसलमानों की सच्ची हितैषी है। यही अविश्वास सांप्रदायिक दंगों के मूल में था और गांधीजी उस विश्वास को पुनरू हासिल करना चाहते थे।

गांधीजी ने बिहार में भी गांव–गांव घूमकर, प्रार्थना सभा के माध्यम से, विभिन्न विचारध ारा के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर कौमी एकता स्थापित करने की कोशिश शुरू कर दी। उन्होंने कांग्रेस के उन कार्यकर्ताओं से, जिन पर दंगों में भाग लेने का आरोप था, अपना दोष खुले मन से स्वीकार करने का आग्रह किया। गांधीजी जब बिहार पहुंचे तब तक यद्यपि हिंदुओं के मन से प्रतिशोध की भावना तो शांत हो चुकी थी, पर सारा वातावरण अराजकता, हिंसा और घृणा से भरा हुआ था। गांधीजी की प्रेरणा से हिंदुओं ने मुस्लिमों के पुनर्वास व राहत शिविरों में सहयोगी का दायित्व निभाने में मदद की और राहत कोष में खुले हृदय से दान भी दिया। श्मुस्लिम लीगश राहत शिविरों के संचालन में अड़ंगेबाजी कर रही थी और मुसलमानों को भड़काकर बंगाल में या फिर मुस्लिम बहुल इलाकों में बस जाने हेतु प्रेरित कर रही थी। गांधीजी नागरिकों के किसी भी स्थान में बसने की सुविधा के पक्षध ार थे और बिहार में अक्सर कहते भी थे कि नागरिकों को अपनी पसंद के स्थान में बस जाने से रोका नहीं जा सकता। श्मुस्लिम लीगश की योजना थी कि मुसलमानों को ऐसी जगह भेज दिया जाए जहां उनकी आबादी अधिक हो, लेकिन गांधी इस योजना के सख्त खिलाफ थे। दूसरी ओर, झारखंड, मध्यभारत के बस्तर और उससे सटे हैदराबाद में अलगाव के बीज फैलाकर भारत के एक बड़े भू–भाग को पाकिस्तान में मिलाने की श्मुस्लिम लीगश की सोच थी। श्मुस्लिम लीगश की दूसरी मांग, जिससे गांधी जी को सख्त ऐतराज था, वह थी मुसलमानों को हथियार देने की मांग।

जब गांधीजी के सामने मुस्लिमों को विस्थापित करने का प्रस्ताव श्मुस्लिम लीगश के नेताओं ने प्रस्तुत किया तो उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया और अपना जोर इस दिशा में लगाया कि हिंदुओं का हृदय परिवर्तन कर उन्हें दंगा पीड़ित मुसलमानों को उनके ही घरों में बसाने के लिए प्रेरित किया जाय। गांधीजी को अपने इस मिशन में पर्याप्त सफलता मिली और इस प्रकार उनकी सद्भावना और सर्व–धर्म–समभाव की नीति ने भारत के एक बड़े भू–भाग को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश को ध्वस्त कर दिया। गांधीजी अप्रैल के प्रथम पखवाड़े में दिल्ली में रहे, ताकि नवनियुक्त वाइसराय से मुलाकात कर सकें। वे एक बार फिर अप्रैल में बिहार आए, 24 मई 1947 तक वहां रहे और फिर दिल्ली चले गए, जहां एक नई भूमिका उनका इंतजार कर रही थी। गांधीजी के बिहार–प्रवास की एक घटना– जब एक रोज सुबह की सैर से वे लौट रहे थे तो रास्ते में एक बुजुर्ग, अंधा भिखारी उनसे मिलने के लिए खड़ा था।

इतिहास था सुनहरा और वर्तमान व भविष्य है काला

ईरान में आज महिलाएं आजादी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी हुई है। इसका दुनिया में जबरदस्त हल्ला है, कवरेज है। बताया जाता है कि आयतुल्ला अली खामैनी की सेहत भी बिगडी हुई हैं। इस्लामी सरकार और उसके संरक्षक मौलाना और इमाम लोग पुलिस तथा खुफिया एजेंसियों से महिलाओं को कुचलने की तमाम तरह के तरीके, आदेश व धमकियां देते हुए है। मगर नाराज महिलाओं की संख्या बढ रही है। कई जगह महिलाओं द्वारा मसजिद में मुल्लाओं को पीटने की खबर है।ज् तब क्या बदलेगा ईरान?ज. विरोध के कुछ और दिनों के बाद आंदोलनकारी महिलाए डर जाएगी। लड़कियां बाहर निकलना बंद कर देंगी और अगर निकलेगी भी तो घरवाले एक के बजाय लड़कियों को दो बुर्के पहना कर बाहर जाने देंगे।

तब परसिया और अब ईरान

ईरान कभी परसिया था। शहरजादे के किस्से काहनियों वाला। अब वह क्या है? वह इन दिनों काले कपड़े से महिलाओं की आजादी के संघर्ष की खबरों में है। ईरान इतिहास की गिनीचुनी महान सभ्यताओं में कभी एक देश था। वह परसिया था जो शहजादे और शहजादी के किस्सों और राजसी वैभव में लकदक हुआ करता था। बहुत खघ्ूबसूरत और मनभावक। इतिहास परसिया को चमत्कारी माया की शानशौकत वाला, ग्लैमर और आनंद से भरी सभ्यता के किस्से लिए हुए है। वह परसिया जहां शहरजादे याकि शहजादे की प्रेम दांस्ता जादूई नीले आकाश और चांदी सी नदियों में तरबतर थी। परसिया का वैभव, उसका शाहीपना इतिहास में हमेशा बाहरी लोगों को लुभाता रहा। उसकी हमेशा राजसी ख्याति रही। कोई आश्चर्य नहीं जो प्रारंभिक शताब्दियों में यह देश अरबों, तुर्कों और मंगोलों सबके लिए ईर्ष्या का केंद्र था। वह परसिया, फारस, ईरान हुआ आधुनिक काल में। बीसवीं सदी में तब जब वहा तेल मिला और दुनिया ने उसे रंग दिए। वहा एक नए शंहशाह, नई राजशाही का जन्म हुआ। राजशाही की दिखावे वाली, भव्य वैश्विक महत्वाकांक्षाओं ने देश में नया जोश भरा। परसिया बन गया ईरान। मगर वह नया नाम शायद अशुभ था। नए नाम के साथ उसके मिजाज का ग्लैमर, उसकी चमक मिटती गई। सिल्वर नदी की जगह बहने लगा काला चिपचिपा तेल। मगर क्योंकि तेल दुनिया की जरूरत था तो पेंट्रोलियम पदार्थों के कारण बाकि दुनिया के लिए ईरान वापिस अमीर और शाही हुआ? इस सरजमीं पर ब्रिटेन और रूस की नजरे गंढी। दोनों देशों ने सन् 1907 में एक समझौता करके ईरान को अपने–अपने प्रभाव क्षेत्र के दो हिस्सों में बांट लिया।

आधुनिक शहंशांह याकि शाह रजा ने परसिया को एक आधुनिक ईरान बनाने का सपना देखा। खूब निर्माण कराएं। ऐसे मानों योरोप बनाना हो। देश को वापिस दुनिया की एक महान सभ्यता बनाने का मकसद। उन्होंने महिलाओं के लिए काले टेंट जैसे चादर, बुर्कों पर प्रतिबंधा लगाया। सड़क, रेल, हवाई अड्डों, आधुनिक बस्तियों का भारी इंफ्रास्ट्रक्चर बनवाया। देश की एक मजबूत सेना बनाई। ईरानी आधुनिक पढ़े–लिखे बने। बीसवीं सदी के ईरान के आधुनिक शाह ने ईरान को सैनिक ताकत और आधुनिक बनाने के लिए बहुत मेहनत की। इतना ही नहीं योरोप में जब हिटलर से जर्मनी का वैभव बना तो शाह ने हिटलर की प्रशंसा की और जर्मन इंजीनियरों को बुला कर उन्हे देश का श्बुनियादी ढांचाच् विकसित करने का काम दिया। उनके शासन में एक साहसी प्रधान मंत्री हुए। नाम था मोहम्मद मोसादिक। उन्होने तेल कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया। और ईरान में लोकतंत्र बनवाने, जमाने की बातें की। लोकतंत्र, स्वतंत्र प्रेस और चुनाव जैसी आधुनिक समझदारी ईरानियों में बने, इसका संकल्प लिया।

मगर राजशाही के राज में ऐसे विचार कैसे अमल में आ सकते थे? लोगों ने अपने प्रधानमंत्री के नए आईडियां को पसंद करना शुरू किया तो ईरान के शाह को यह अपने लिए खतरा समझ आया। मगर जनप्रिय प्रधानमंत्री ने अपनी कर दिखाई। टकराव हुआ और कुछ दिन के लिए शाह मोहम्मद रजा पहलवी को देश छोडना पड़ा। मगर उन्होने विदेश रहते हुए पश्चिमी देशों में अपने लिए लॉबिंग की। पेट्रोलियम पदार्थों से देश के महत्व को मित्र पश्चिमी देशों को समझाया। वे उनकी मदद से फिर वापिस ईरान लौट आए। राजधानी तेहरान और लोगों की आजादी पसंदगी को काबू में किया। पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ कारोबारी सौदे करके, अमेरिका और योरोप का दिल जीत कर शाह रजा ने अपनी सत्ता की सभी चुनौतियों को खत्म किया। वह शाह की राजशाही में ईरान का जकडना था। जनता में खौफ बनाने, आजादी चाहने वालों पर नजर रखने, उन्हे दबाने के लिए शाह ने सावाक (स्र्ड्क्र्य) नाम की खुफिया एजेंसी का आंतक बनाया। इस एजेंसी के जरिए वे दशकों विरोधियों को कुचलते रहे। लेखक जेम्स बुखान (ष्ठड्ड4ह्य ने अपनी किताब में लिखा है कि शाह के समय देश में अमीरी आई। पेट्रोल पदार्थों की कमाई से रौनक बनी। बावजूद इसके गरीबी बनी रही। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने पर ध्यान नहीं रहा तो अंत में हुआ यह कि दृ शाह यदि आधुनिकता को फटाफट ला देने की जल्दबाजी में थे तो वे उसे फटाफट मिटा देने का काम भी करते हुए थे। उन्होने सदियों से चले आ रहे टकराव को कुछ सालों में निचोड कर खत्म कर देने की गलतफहमी पाली।

राजशाही को पश्चिमी देशों से दम मिला हुआ था तो पहले रजा शाह और फिर उनके बेटे का बेखटके शासन हुआ। ईरान कोई उनतालीस वर्ष पहलवीं शहंशाही के राज में रहा। अचानक विदेश में, फ्रांस में निर्वासित एक आयतुल्लाह खुमैनी गरीब– मध्यवर्गीय लोगों का इस्लाम की मशाल का मसीहा बन शाह के लिए चुनौती बना। ऐसा घटनाक्रम हुआ. ऐसे हालात बने कि सन् 1970 में ईरानी लोगो का गुस्सा उबल पड़ा। गरीब रूढिघ्वादी ग्रामीण इलाकों और पवित्र धार्मिक शहर कुम के मदरसों से निकले लोगों ने बगावत की। खुमैनी का राजशाही और उसके गैर–इस्लामी शासन को उखाड़ फेंकने का आव्हान हुआ। उस दौरान का हैरानी का एक पहलू है कि दुनिया की एक लोकतांत्रिक आजाद आवाज बीबीसी ने बगावत में रोल अदा किया। बीबीसी परसिया ने ईरानी लोगों की बगावत को दुनिया भर में, ईरान के भीतर घर–घर पहुंचाया। उसका प्रचार किया। शाह रजा डावडोल हुए। यह आज समझ नहीं आने वाली बात है कि ईरान के अंदरूनी मामले की राजनैतिक उथलपुथल को बीबीसी, परसिया ने क्योंकर तूल दिया? लेकिन सच्चाई है कि कई बार लोकतंत्र की चाहना का औजार ही जनता को दूसरे एक्स्ट्रीम पर ले जाता है। आज ईरान जिस कठमुल्लाई व्यवस्था में है और यदि औरते बेसिक आजादी की भी मोहताज है तो इस दशा में पहुंचाने में बीबीसी परसिया की तब की कवरेज का हाथ है। ध्यान रहे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान रेडियों का अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण देशों की कूटनीति का एक महत्वपूर्ण औजार था। लंदन के बुश हाऊस याकि बीबीसी मुख्यालय ने ईरान के लिए बीबीसी परसिया प्रसारण सर्विस शुरू की। मकसद दो टूक था। ईरान पर ब्रिटिश प्रभाव बनाना, बढाना। और सचमुच दूसरे विश्व युद्ध के बाद, बीबीसी फारसी सेवा ने ईरानियों में गजब प्रतिष्ठा पाई। उसने युद्ध के वक्त भी जर्मनी की फारसी प्रसारण सेवा को जोरदार टक्कर दी।

बहरहाल, 1970 के दशक में फारस की खाडी और पश्चिम एसिया में ईरान की ताकत का दबदबा बना तब बीबीसी की फारसी सेवा की तटस्थ कवरेज हुई तो शाह मोहम्मद रजा पहलवी और उनकी सरकार के लोगों में खटका बना। बीबीसी परसिया को पसंद नहीं किया गया। इस सबके गडबडझाले में आयतुल्ला खुमैनी ने जब फ्रांस से अपनी मुहिम शुरू की तो बीबीसी परसिया ने राजशाही याकि शाह रजा के खिलाफ उनके भाषणों को खूब प्रसारित किया। कुल मिलाकर इस्लामी कट्टरपंथ और आयतुल्लाह की बनवाई बगावत से सन् 1979 में ईरान में तख्ता पटल हुआ। कथित ईरानी क्रांति शाह रजा ने भाग कर विदेश में शरण ली। फ्रांस में वर्षों तक निर्वासित रहे आयतुल्लाह रौहोला खौमनी ने ईरान लौट कर इस्लामी सत्ता बनवाई। ईरान एक इस्लामी गणंतत्र बना।

और फिर क्या था। तब का दिन और आज का दिन है। ईरान अपने अंदरूनी भंवरों, इस्लामी बंधनों और दुनिया व खासकर पश्चिम एसिया में, सुन्नी बहुल सऊदी अरब के खिलाफ शिया राज की इस्लामी ताकत की महत्वकांक्षा में बुरी भटका और कंगला हुआ देश है। उसने अमेरिका के खिलाफ खूब हल्ला किया। नतीजतन अपने आपको दुनिया का अछूत देश बनाया। फारस के शहरजादे और शहरजादियों के किस्से–कहानियों, चमक–धमक, ग्लैमर को गंवा कर दुनिया का वह जैसे तैसे गुजारा करता देश है, वह भी पेट्रोल जैसे संसाधन के बावजूद। मुल्लाओं की लीडरशीरप में देश हर तरह से रूढिघ्वादी हुआ पडा है।

खौमेनी और उनके बाद के अयातुल्ला, धर्मगुरू इंच भर भी सुधारवादी और आधुनिक नहीं है। न अनुयायियों और न जनता को वे हक देने के पक्षधर है। जैसा वे कहे वैसे ही जनता वोट दें, राष्ट्रपति बने। उनके बताएं तौर–तरीकों में ही लोग जिंदगी गुजारे। इतना ही नहीं दुनिया को भी अपने रंग में रंगना। सलमान रशदी ने किताब लिखी तो उसके खिलाफ मुसलमान को सीधे यह फतवा कि इस लेखक को मारों! सन् 1989 में खौमेनी की मौत हुई। तब तक वे ईरान की रेत में वह इबारत लिख गए जिससे कोई टस से मस नहीं हो सकता। उनकी इस्लामी व्यवस्था से सरकार और लोगों के दिल–दिमाग में, यादों में इतना कुछ पैठ चुका है कि बदलाव की गुंजाईस ही नहीं है। एक तरफ धर्म को समर्पित लोग और दूसरी तरह हताश–निराश–निर्वासित और गुस्से–असंतोष से मन ही मन फडफडाते ईरानी। तभी खौमेनी की मौत के बाद भी वक्त नहीं बदला। उनकी मौत के बाद अयातुल्लाह अली खामैनी ने गद्दी संभाली। इनके राज में भी चार राष्ट्रपति आ– जा चुके हैं। मगर किसी से कोई परिवर्तन नहीं हुआ। न घरेलू मामले में और न विदेशी मामलों में। सरकार और राष्ट्रपति बदलना सब बेमतलब। सरकार परिवर्तन और नया करने के लिए नहीं बल्कि खौमेनी के बताएं इस्लामी संस्करण के अनुसार काम करने के लिए पाबंद।

यों दो बार छुट–पुट विद्रोह हुआ है।एक बार सन 2009 में, मोहम्मद अहमदीनजादे के शासन में। उन्हे अयातुल्ला खामेनेई का चेला समझा जाता था। उनके द्वारा चुनाव में धांधली को लेकर देश में बहुत आंदोलन–प्रदर्शन हुए। फिर सन् 2019 में हसन रौहानी की सरकार के वक्त में आर्थिक बदहाली से लोग सडकों पर उतरे थे। अमेरिका ने 2018 में जब उसके साथ हुए परमाणु समझौते को रद्द किया और ईरान पर वापिस प्रतिबंध लगे तब भी आर्थिक हालात नाजुक हुए। चौतरफा विरोध–प्रदर्शन हुए। नवंबर 2019 के विरोध प्रदर्शनों में, तो ष्तानाशाह की मौतष् के नारे भी सुने गए। फिलहाल ईरान अलग तरह के संकट में है। वहां महिलाएं आजादी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी हुई है। इसका दुनिया में इजबरदस्त हल्ला है, कवरेज है। बताया जाता है कि आयतुल्ला अली खामैनी की सेहत भी बिगडी हुई हैं।

इस्लामी सरकार और उसके संरक्षक मौलाना और इमाम लोग पुलिस तथा खुफिया एजेंसियों से महिलाओं को कुचलने की तमाम तरह के तरीके, आदेश व धमकियां देते हुए है। मगर नाराज महिलाओं की संख्या बढ रही है। कई जगह महिलाओं द्वारा मसजिद में मुल्लाओं को पीटने की खबर है। जैसे देश के दक्षिणी शहर शिराज में 17 सिंतबर को आठ इमामों की मार–मार कर हत्या हुई। स्वभाविक है जो तेहरान की हुकूमत घबराइए। वह हिली हुई है। सीएनएन की क्रिस्टीना अमनपोर को ष्ईरान की स्थितिष के कारण अमेरिका की धरती पर राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी का साक्षात्कार करते समय एक हेडस्कार्फर्ध पहनने के लिए कहा गया। ईरान में बुर्के, हिजाब को सरेआम जलाने, सडकों पर औरतों के सार्वजनिक तौर पर बाल काटने और इस्लामी सरकार और उसके कायदों के खिलाफ आंदोलन की घटनाएं लगातार बढती हुई है। इसमें आर्थिक बदहाली आग में घी का काम करते हुए है। ईरान दुनिया का वह देश है जहां प्रति व्यक्ति आय का आंकडा साल–दर साल घटते हुए है। सन् 2012 में जीडीपी 8000 डालर थी वह अब तीन हजार डालर से भी नीचे है। बावजूद इस सबके इस्लामी सरकार बेफिक्र भी लगती है। तेहरान के जानकार बता रहे है कि सरकार को वक्त के साथ महिलाओं के ठंडे पड जाने का विश्वास है। कई लोगों को लग रहा हे कि हत्या, विरोध के कुछ और दिनों के बाद आंदोलनकारी महिलाए डर जाएगी। लड़कियां बाहर निकलना बंद कर देंगी और अगर निकलेगी भी तो घरवाले एक के बजाय लड़कियों को दो बुर्के पहना कर बाहर जाने देंगे। ईरान नहीं बदल सकता है। ईरान का आज और आने वाला कल इतिहास शहरजादे याकि शहजादे की दांस्ता वाले जादूई नीले आकाश और चांदी सी नदियों वाला परसिया नहीं हो सकता है। उसके नसीब में बंजर, रेतीली और काले कपड़ों में लिपटने रहने की ही जिंदगी है।

स्व. अशोक कुमार श्रीवास्तव के स्मृति दिवस के अवसर पर किया गया फलाहार का आयोजन

गोरखपुर। नवरात्र का पर्व व्यक्ति में त्याग व दृढ़ इच्छाशक्ति और ईष्वरीय सत्ता के प्रति आस्था का भाव जगाता है। मां अकलेश शक्ति सदन परिवार परिवार व डॉ अशोक कुमार श्रीवास्तव फैंस द्वारा हर वर्ष मां अकलेश व बड़े भैया डॉक्टर अशोक श्रीवास्तव जी के स्मृति में सामाजिक व धार्मिक के क्षेत्र में बेहतर कार्य करते हुए भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवंत बनाये रखने के लिए हर संभव प्रयास किया है और आगे भी इसे निरंतरता प्रदान की जाती रहेगी ऐसी उम्मीद हैं। नवरात्र व्रत का अपना महत्व है और इससे मात्र जगत जननी मॉ दुर्गा की भक्ति ही हासिल नहीं होती वरन् आत्मषक्ति भी प्राप्त होती है। फलाहार कार्यक्रम से इस विषेश अवसर पर लोगों में वैचारिक एकता का संदेष जाता है जो समाज व देश दोनों के विकास को सही दिशा प्रदान करने में मददगार साबित होता है।

उक्त उद्गार मां की अराधना व फलाहार कार्यक्रम मे बतौर अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी दुर्गा प्रसाद बाबूजी व प्रहलाद गुप्ता (मुख्य प्रचारक आर्य समाज) ने संयुक्त रूप से कहीं। नवरात्र के अवसर पर शीतला प्रसाद फूलमती देवी शिक्षा संस्थान, सेवा परिषद व मांगरीश वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में द्वारा निकट के मंदिरों के पास गरीब असहायओं में फल मिष्ठान का वितरण किया गयास स्थानीय डॉ अशोक जी परिसर, सिविल लायन्स पर आज मां की अराधना व फलाहार कार्यक्रम का आयोजन भक्ति में माहौल में सम्पन्न हुआ।

मेजर डॉक्टर अमित कुमार श्रीवास्तव ,होम्योपैथ चिकित्सा डॉक्टर ओपी श्रीवास्तव व डॉ मनोज कुमार श्रीवास्तव (विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र सेडीका)ने संयुक्त रूप से कहा कि चौत्र नवरात्र के अवसर पर शारदीय नवरात्र की ही भॉति हिन्दू धर्मावलम्बियों द्वारा शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मॉ दुर्गा की उपासना की जाती है जिसमें नौ दिन के व्रत उपवास का बड़ा महत्व है। यह भक्तों के त्याग एवं भक्ति भावना को भी दर्षाता है। फलाहार कार्यक्रम से आम जन के बीच धार्मिक पर्वों के प्रति आस्था में वृद्धि का संदेष जाता है। लोग अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत आदि का पालन कर अपनी निश्ठा को और बढ़ाते हैं। आयोजित इस कार्यक्रम से नवरात्र के व्रतियों का उत्साहवर्धन होगा।

अध्यक्षता करते हुए सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ दुर्गेश कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति की अपनी विषेशता है जिसे बनाये रखने के लिए हमें अपनी रीतियों एवं परम्पराओं का निर्वाह करना अपेक्षित है। फलाहार कार्यक्रम के जरिए हमारी भावनात्मक एकता को बल मिलता है। सुप्रसिद्ध रेलवे एक्टिविस्ट इंजीनियर रंजीत कुमार श्रीवास्तव व मांगरीश वेलफेयर के मुखिया ई0 संजीत कुमार ने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि इधर पिछले कई वर्षों से नवरात्र के अवसर पर फलाहार कार्यक्रम का आयोजन कर काफी पुण्य का काम किया जा रहा है। इससे परस्पर सद्भावना एवं एकता की भावना को बल मिलता है। हमें अपने पर्वों को परस्पर मिल–जुलकर मनाना चाहिए इससे सामाजिक विकास का धरातल तैयार होता है।

संचालन करते हुए इंजी. अनुभव कुमार ,धन्यवाद एवं आभार मंजीत कुमार (सप्पू बाबू) ने व्यक्त किया। फलाहार कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से सेवा भारती के वरिष्ठ नेता बनमाली शर्मा (कौशिक जी),प्रख्यात समाजसेवी उद्यमी मुकुल गुप्ता , पूर्व अध्यक्ष डीवीएनडीसी कॉलेज छात्र संघ अरुण कुमार सिंह,अरुण जी श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, महेश जी,धर्मेंद्र जी,अविनाश श्रीवास्तव, राहुल चौहान, रजनीश श्रीवास्तव, दीपक कुमार ,निर्मल कुमार ,विष्णु सिंह ,रवि कुमार सर्वेश त्रिपाठी अभिषेक श्रीवास्तव मनीष चंद्र, अनिकेत सिंह कृष्णकांत चौधरी,अनिल शाही,पवन ,अवनीश चंद्र, डा.प्रभात ,सुर्यभानत्रिपाठी, विनोद कुमार, अजीत नाथ चौधरी एडवोकेट, सौरभ श्रीवास्तव, सरकारी वकील विवेक सरकारी,नीरज गुप्ता, आर. के. सी. मिश्र एडवोकेट, हरेन्द्र मिस्र, जुबेर अहमद जगप्रीत सिंह ,पीके सैमुअल, उपेन्द्र मिस्र सहित हर वर्ग ,हर तबके, हर धर्म के लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे ।

राष्ट्र के उन्नति मे प्रत्येक व्यक्ति का योगदान आवश्यक–देवेंद्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। राष्ट्र की उन्नति में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान होता है। इसलिए छोटे से छोटा व्यवसाय करने वाला व्यक्ति भी

देश के आर्थिक विकास में अपना योगदान कर सकता है। यह बातें सोमवार को उतरौला रोड भगवतीगंज स्थित महाजन इंटरप्राइजेज के सर्विस सेंटर व स्पेयर पार्ट्स के दुकान का उदघाटन करते हुए मुख्य अतिथि एम एल के पी जी कॉलेज के एसोसिएट एन सी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ) देवेन्द्र कुमार चौहान ने कही। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट डॉ चौहान ने फीता काटकर शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि भानु प्रताप तिवारी ने कहा कि यह कार्य अपनी पूर्णता को भारत सरकार व प्रदेश सरकार के प्रोत्साहन से प्राप्त कर रहा है। प्रोपराइटर हिमांशु शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर नायब सूबेदार जयकार सिंह, राजेश शुक्ल, नितिन, सचिन, विपिन शुक्ल व सूरज आदि मौजूद रहे।

डी के कराटे ट्रेनिंग सेंटर के बच्चों ने निकाला गोल्ड मेडल

चौरीचौरा। दिनांक 2 अक्टूबर दिन रविवार को डी के कराटे ट्रेनिंग सेंटर के बच्चों द्वारा अलग अलग अलग भार वर्ग में गोल्ड

मेडल हासिल किया गया जिसमें 50 किलोग्राम भार वर्ग में अंजली,विजयलक्ष्मी व सरफराज तथा 40 किलोग्राम भार वर्ग में सुहानी व मुस्कान पटेल ने गोल्ड मेडल निकाला इस प्रतियोगिता में इलाहाबाद सोनभद्र आजमगढ़ गोरखपुर व चंदौली की टीम ने हिस्सा लिया जिसमें गोरखपुर से डीके कराटे ट्रेनिंग सेंटर के कोच धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में बच्चों ने प्रतिभाग किया था धर्मेन्द्र कुमार को भी बतौर कोच गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया

भ्रष्टाचारियों की आगोश में डूबा सुशासन

गोरखपुर। गोरखपुर लोक निर्माण विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध 448 दिनों से चल रहे सत्याग्रह संकल्प पर बैठे संगठन के संस्थापक महासचिव शैलेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि सीएम सिटी में भ्रष्टाचार बड़े उद्योग के रूप में पुष्पित पल्लवित हो रहा है। निरंकुश भ्रष्टाचार के उद्योग का विकास होना इस बात का परिचायक है कि शासकीय तंत्र द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया है अन्यथा वर्षवार प्रधान लेखाकार व मुख्य लेखा परीक्षक की वार्षिक लेखा परीक्षण रिपोर्ट पर आधारित भ्रष्टाचार उपेक्षा का शिकार न होता। शासकीय तंत्र की कार्यशैली और सीएम सिटी में चल रहे वर्षों से सत्याग्रह संकल्प पर व्यवस्था के पोषकों की खामोशी आम नागरिक के लिए यक्ष प्रश्न बने हुए हैं और जन सामान्य यह सोचने पर विवश

हो गया है कि भ्रष्ट लोक सेवकों की कार्यगुजारियों में कहीं न कहीं शासकीय तंत्र की सहभागिता व संलिप्तता है जो लोक कल्याणकारी नीतियों के विपरीत है। सत्याग्रह कार्यक्रम में उपस्थित उच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश द्विवेदी, विशिष्ठ अतिथि डॉ0 जेपी नायक, प्रदेश उपाध्यक्ष, हीरा लाल गौड़, जिलाध्यक्ष, जिला मंत्री डॉ0 शोभित, जिला मंत्री श्रीवास्तव, सुबास यादव, कैलाश यादव उ0प्र0 मा0शि0 संघ, चिकित्सा जगत से सैयद वसीम इक्बाल, संगठन के संस्थापक महासचिव शैलेंद्र कुमार मिश्रा, अनूप शुक्ला, अशोक तिवारी दिवानी बार गोरखपुर, योगेन्द्र कुमार मिश्रा एडवोकेट महामंत्री जिला कलक्ट्रेट बार एसोसिएशन, रमाकांत पांडे उर्फ राजू प्रदेश कार्य समिति सदस्य उ०प्र० ठेकेदार संघ, डी एन सिंह ठेकेदार जन कल्याण समिति लखनऊ के प्रदेश उपाध्यक्ष, लल्लन दुबे वरिष्ठ समाज सेवी, रामनिवास गुप्ता, वरिष्ठ कार्यकर्ता जियाउद्दीन अन्सारी, राजेश शुक्ला अधिवक्ता कमिश्नरी बार गोरखपुर, अनूप कुमार मिश्रा एडवोकेट स्नेहा मिश्रा एडवोकेट दीवानी कचहरी गोरखपुर सत्यव्रत जायसवाल, विरेन्द्र कुमार वर्मा, विरेन्द्र राय, जिला मंत्री रामचन्दर दूबे, जिला संयोजक राजमंगल गौर,राहुल श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी शशी कांत, नानू अंसारी, बृजराज सैनी, संतोष गुप्ता, सुनील त्रिपाठी, देवांश माथुर, संजय गुप्ता, राजेश्वर पांडे, अमन कुमार, अजय पांडे, छेदी लाल पासवान, गोकुल गुप्ता, रीना शाही, मुन्ना सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, गिरजाधर ऋत्विक मिश्रा, मनोज कुमार गुप्ता, नदीम अजीज, विशाल सिंह,सुधीर कुमार पांडे, शंकर नाथ, इत्यादि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दोस्तों के साथ शराब पीकर युवक पड़ा बीमार, मौत

खुखुंदू। थाना क्षेत्र के धोबी गांव में .एक 27 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार तीन दिन पूर्व गांव के दोस्तों के साथ छक कर शराब पीने के बाद वह बीमार पड़ गया था। जिला अस्पताल में इलाज कराने के बाद परिजन घर लाए थे। उधर, इकलौते बेटे की मौत के बाद माता– पिता बेसुध हैं। धोबी गांव निवासी उमेश यादव का इकलौता बेटा मनीष यादव था। पहले वह घूमकर आइसक्रीम बेचता था। इसी बीच उसने माता–पिता की रजामंदी से प्रेम विवाह कर लिया। हालांकि, पत्नी दो साल पहले ही उसे छोड़कर चली गई। तबसे वह तनाव में आ गया। वर्तमान समय में वह ट्रक पर रह रहा था। पुलिस के मुताबिक ट्रक पर रहने के दौरान उसे दो हजार रुपये मिले थे। इसके बाद तीन दिनों पूर्व उसने गांव के कुछ दोस्तों के साथ पड़री बाजार में छक कर शराब पी। घर आने पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन आनन–फानन जिला अस्पताल ले गए। इलाज के बाद तबीयत में सुधार होने पर घर लेकर चले आए। सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। एंबुलेंस बुलाई गई। तब तक मनीष ने दम तोड़ दिया। मनीष माता–पिता की इकलौती संतान था। घटना के बाद मां धर्मावती देवी बेसुध पड़ी हैं। एसओ नवीन चौधरी ने बताया कि मनीष की तीन दिन पहले शराब पीने के बाद अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इलाज के बाद घर आ गया था। फिर तबीयत बिगड़ने पर परिजन जिला अस्पताल ले जाने की तैयारी में थे। तब तक उसने दम तोड़ दिया।

अस्पताल में एईएस के दो व तेज बुखार के सात मरीज भर्ती

महराजगंज। मौसम में उतार–चढ़ाव का असर बच्चों की सेहत पर दिख रहा है। जिला अस्पताल के संक्रामक रोग वार्ड और जेई एईएस वार्ड में 22 मरीज भर्ती हैं। इसमें एईएस के दो और तेज बुखार के सात मरीज हैं। 13 अन्य बीमारी से पीड़ितों का इलाज हो रहा है। जिला अस्पताल के संक्रामक रोग वार्ड में भर्ती मरीजों के साथ आए तीमारदार महेंद्र, राजेश, वीरेंद्र ने बताया कि बच्चों को पहले हल्का बुखार हुआ तो निकट के अस्पताल से दवा लाकर बच्चों को खिलाया। इसके बाद तेज बुखार हो गया तो बच्चों को जिला अस्पताल लाया। बच्चों की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने भर्ती कर लिया। वार्ड में मनोकामना और प्रीति एईएस की मरीज हैं। संक्रामक रोग वार्ड में अभिराज, अंकित, अंसिका, प्रिया, अंकुश, राधिका, आलोक तेज बुखार के मरीजों का इलाज हो रहा है। सफाई रखने से कम होगी बीमारीः बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल चौधरी ने बताया कि कभी मौसम में नमी तो कभी गर्मी से बच्चों की सेहत पर असर पड़ रहा है। बच्चे बीमार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों को साफ सुथरा रखा जाए। मच्छर से बचाव व पानी उबाल कर पिलाएं। बासी भोजन न खिलाएं। किसी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

ध्वजारोहण,चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा स्वच्छता अभियान चलाकर मनायी गई जयंती

चौरीचौरा। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के

जयंती के अवसर पर तहसील मुख्यालय चौरीचौरा व शहीद स्मारक स्थल चौरीचौरा में उपजिलाधिकारी चौरीचौरा द्वारा ध्वजारोहण किया गया व उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया साथ में तहसीलदार नीलम तिवारी,नायब तहसीलदार अल्का सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहें वहीं ब्लाक मुख्यालय ब्रहम्पुर पर ब्लाक प्रमुख सुमन यादव ने झंडारोहण किया तथा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके पदचिन्हों पर चलने की सपथ भी दिलाई गई साथ में खण्ड विकास अधिकारी कृतिका अवस्थी,धर्मेन्द्र यादव, संदीप उर्फ कालिया, साधु शरण यादव, एडीओ आईएसबी छोटेलाल यादव,रामप्रीत निषाद,अमित चौधरी ऋषिकेश सहित समस्त ब्लाक के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें नगर पंचायत मुण्डेरा बाजार कार्यालय पर पूर्व चेयरमैन व वर्तमान चेयरमैन सुनीता गुप्ता के पति ज्योती प्रकाश गुप्ता ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किया वहीं तरकुलहां मेले में विधान परिषद सदस्य धर्मेन्द्र सिंह,अजय सिंह गौतम व जिलाध्यक्ष युधिष्टिर सिंह के नेतृत्व में महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया ज्योती प्रकाश गुप्ता,योगेन्द्र जायसवाल,मिहिर जायसवाल सहित तमाम लोगो की मौजूदगी में स्वच्छता अभियान चलाया गया खोराबार क्षेत्र में भाजपा के पिछड़ा मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष दिनेश यदुवंशी ने स्वच्छता अभियान चलाया

श्रीलावा रमेश कट्टी एचकेजी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बने

गोरखपुर। बीएसई सूचीबद्ध एचकेजी लिमिटेड, सबसे तेजीसे बढ़ते व्यापार समूहों में से एक है, जो छोटे व्यवसायों को जोड़ने की इच्छा रखताहै, ने बीएसई को सूचित किया है कि श्री लावा रमेश कट्टी को 9 सितंबर 2022 से प्रभावी कंपनी के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री उमेश और लावा कट्टी ओपनऑफर के माध्यम से एचकेजी लिमिटेड के 1,36,50,000 इक्विटी शेयर हासिल करने की प्रक्रियामें शामिल होंगे, जिसके बाद श्री लावा रमेश कट्टी एचकेजी लिमिटेड का नियंत्रण संभालेंगे। कुछसमय पहले कंपनी ने श्री शिवसागर शुगर एंड एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड, उडापुडी द्वारा 11 जुलाई 2022 को आयोजित नीलामी में सफलतापूर्वक भाग लिया था, जिसमें बेलगावी जिला सेंट्रलसे शुगर मिल, को–जेन प्लांट, इथेनॉल प्लांट, ऑफिस बिल्डिंग, गोदाम और गेस्ट हाउस काअधिग्रहण किया गया था। को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (बैंक) और बैंक ने इसके लिए सैद्धांतिकरूप से 11 जुलाई, 2022 का पत्र दिया है।

मंच पर दिखा कला व संस्कृति का संगम, दर्शक हुए भावविभोर

महराजगंज। महराजगंज महोत्सव के दूसरे दिन मंच पर कला अज़ैर संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति के कार्यक्रमों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति देख दर्शकों के चेहरे भी खिल उठे।

जवाहर लाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज खेल मैदान में चल रहे तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की छात्रा तृप्ति मिश्रा ने गणेशा श्री गणेशा गीत पर नृत्य प्रस्तुत करके किया।

मलवरी कांवेंट स्कूल की छात्रा परी अग्रवाल ने रंगीले मारो ढोलना, धीमे–धीमे तथा बुम्बरो–बुम्बरो नामक गीत प्रस्तुत कर दर्शकों की प्रशंसा बटोरी। दिग्विजय नाथ इंटर कॉलेज की छात्रा शिवांगी ने रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई पर भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

कंपोजिट विद्यालय बागापार की छात्रा नीतू ने शिव तांडव पर मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके अलावा पंडित दीनदयाल स्कूल के जयहिंद व अब्दुल्ला ने मां नामक नाटक की मार्मिक प्रस्तुति दी। जीएसवीएस कॉलेज के विद्यार्थियों ने कंधे से मिलते हैं कंधे नामक गीत पर प्रस्तुति दी। कंपोजिट विद्यालय बागापार की अंकिता की टीम ने सत्यभामा व रुक्मिणी पर भक्तिमय प्रस्तुति दी।

महाराणा प्रताप स्कूल की छात्रा अनन्या अग्रहरि ने घर मोरे परदेशिया पर नृत्य प्रस्तुत किया। कास्मोपोलिटन स्कूल के बच्चों ने प्रांजल के नेतृत्व में बम–बम भोले, हालमार्क स्कूल के बच्चों ने जय–जय कारा तथा ऑक्सफोर्ड स्कूल के बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। संचालन पंकज मौर्या ने किया।

इस दौरान उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम, प्रशिक्षु एसडीएम अमित गुप्ता, जिला विद्यालय निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, विंध्यवासिनी सिंह, विमल पांडेय, अमरेंद्र शर्मा, रीतेश, शिरोमणि दूबे, मनोज वर्मा, अखिलेश पाठक आदि मौजूद रहे।

पौध प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्रः उद्यान व आयुष विभाग की ओर से पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें 40 प्रकार के पौधों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में नाद में रखे गए पुराने पीपल, पाकड़ व बरगद के पौधों को लोगों ने देखा। साथ ही रुद्राक्ष, विधारा, स्टीविया, बासमती, सर्पगंधा, गुणभार, काली मिर्च, ब्राह्मी, पलास, चिरईता, दवना, मौलसिरी, देसी गुलाब, पत्थर चूर, एलोवेरा, आंवला, तुलसी, सतावर, नीबू, कपूर, हड्डी जोड़, बेल, लेमन ग्रास, सफेद मुसली, नीम, मीठी नीम, सदाबहार, भूमि आंवला, एजोरा आदि पौध रहे। उद्यान निरीक्षक विकास श्रीनेत तथा आयुष विभाग के डॉ. बृजेश नायक, डॉ. हरींद्र जैसवार, व डॉ. प्रदीप कुमार मौर्य ने लोगों को पौधों की विशेषता बताई।

ओडीओपी के स्टालों पर की खरीदारी

उद्यम विभाग की ओर से लगवाए गए विभिन्न जिलों के एक जनपद एक उत्पाद से जुड़े स्टालों पर लोगों ने न सिर्फ सामग्रियों के बारे में जानकारी ली बल्कि खरीदारी में की। मुरादाबाद के बर्तन, बलिया की बिंदी, गोरखपुर का टेराकोटा, कुशीनगर के केले का रेशा, देवरिया के सजावटी सामान, आजमगढ़ व वाराणसी की साड़ी, लखनऊ की चिकन सामग्री, भदोही के कालीन आदि के स्टाल पर लोगों की भीड़ रही।

विभागीय व निजी स्टाल भी बने जानकारी के केंद्र

मुख्य मंच के पूरब की तरफ लगे खाद्य रसद, ग्राम्य विकास, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला नगरीय विकास अभिकरण के साथ ही बाल विकास व पुष्टाहार विभाग के स्टाल पर दूसरे दिन भी पहुंचकर लोगों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। साथ ही निजी दुकानों के लिए लगे स्टाल पर भी लोगों ने वाहनों व बैंक संबंधी सुविधाओं की जानकारी ली।

आम हों या खास, सभी ने उठाया जायके का मजा

महोत्सव स्थल पर लगे फूड स्टाल पर पहुंचकर आम से लेकर खास लोगों ने विभिन्न प्रकार के जायकों का मजा उठाया। नगर के खानपान की अच्छी दुकानों के साथ–साथ गोरखपुर की भी कुछ दुकानें मेले में नजर आईं। मिष्ठान, चाट–फुल्की, शीतल पेय आदि खाद्य सामग्री से जुड़े स्टालों पर दूसरे दिन भी लोगों की काफी भीड़ देखी गई।

दूसरे दिन भी विज्ञान मॉडल को देखने उमड़ी भीड़

दूसरे दिन भी विज्ञान प्रदर्शनी में नगर व जिले के 22 विद्यालयों के बच्चों ने 82 मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी के पंडाल में विज्ञान शिक्षक अमरेंद्र शर्मा, विमल पांडेय आदि ने भी विज्ञान से जुड़ी जानकारियों को बच्चों से साझा किया। जीएसवीएस इंटर कालेज में आए मोबाइल नक्षत्रशाला में पहुंचकर बच्चों ने अपने ज्ञान को बढ़ाने का कार्य किया।

शहीद भगत सिंह की प्रस्तुति ने जागृत किया देशभक्ति का भाव

महोत्सव में शहीद भगत सिंह नाटक की प्रस्तुति कर स्थानीय कलाकार पंकज मौर्य, शिरोमणि दूबे, देवेश पांडेय, अभिषेक मिश्रा, अविनाश सिंह, अनिल, प्रिंस शुक्ला, कुबेर आदि ने दर्शकों में देशभक्ति का भाव जागृत किया। उनकी प्रस्तुति की दर्शकों ने सराहना की।

महात्मा गांधी पर नाटक देख भावविभोर हुए दर्शक

गांधी जयंती व जिले के स्थापना दिवस के अवसर पर आरके सनशाइन स्कूल के विद्यार्थियों व राजकीय बालिका इंटर कालेज आंनदनगर की छात्रा सोनाली व उनकी टीम की ओर से कार्यक्रम की जीवंत प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम को देखकर पंडाल में बैठे दर्शक भावविभोर हो गए। गांधी पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को अपर एसडीएम मदन मोहन वर्मा ने गांधी से जुड़ी पुस्तक दी।

स्थानीय कलाकारों के साथ एसडीएम की प्रस्तुति ने बांधा समा

दूसरे दिन स्थानीय कलाकारों में आस्था, चांदनी व लक्ष्मी ने विवाह संस्कार गीत, पवन राज ने सूफी संगीत, सत्यप्रकाश साहू ने राम तेरी गंगा मैली हो गई, रेनू गुप्ता ने दिन भर चाहे जहां रहियो हमार पिया तथा श्यामदेव साहनी ने बिरहा प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। मंच मिला तो उप जिलाधिकारी सदर मोहम्मद जसीम भी स्वयं को रोक नहीं सके। उन्होंने चौदहवीं का चांद हो... गीत गाकर महफिल जमा दी।

इंस्पायर अवॉर्ड के लिए नहीं कर पा रहे 'इंस्पायर'

देवरिया। इंस्पायर अवॉर्ड के लिए आवेदन करने में जनपद के माध्यमिक स्कूल लगातार पिछड़े हुए हैं। योजना के तहत कक्षा छह से 10 तक राजकीय व एडेड प्रत्येक विद्यालयों से पांच विद्यार्थियों को इसके लिए पंजीकृत करना है। 27 सितंबर तक मात्र 130 आवेदन हुए हैं।

इंस्पायर अवॉर्ड के लिए जिले के 19 राजकीय व 122 एडेड माध्यमिक स्कूलों के कक्षा छह से 10 तक के पांच–पांच विद्यार्थियों के नाम नामांकित किए जाने हैं। हालांकि, इन विद्यालयों की ओर से इस योजना के प्रति 20 सितंबर तक बिल्कुल भी रुचि नहीं दिखाई गई। एक विद्यालय से पांच तो दूर एक भी विद्यार्थियों का नामांकन संबंधित वेबसाइट पर दर्ज नहीं कराया गया था। शासन की ओर से जिले की स्थिति पर नाराजगी जताए जाने जब अधिकारियों की ओर से कड़ा रुख अपनाया गया तो कुछ प्रधानाचार्यों ने अपने यहां से ऑनलाइन पंजीकरण कराने में रुचि ली। यह तब है जब पिछले सत्र में जिले के अधिकतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान शिक्षक मिले हैं। ये अपने–अपने विद्यालयों में काम भी कर रहे हैं। हालांकि, योजना के तहत विद्यार्थियों को तैयार नहीं कर पाने से इनकी कार्यक्षमता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

विद्यार्थियों को प्रस्तुत करना है मॉडल व प्रोजेक्टः अग्रसेन बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य गीता ने बताया कि योजना के तहत एक विद्यार्थी से किसी विषय पर 500 शब्दों में अपनी राय लिखनी है। साथ ही किसी मॉडल व प्रोजेक्ट को भी प्रस्तुत करना है। अब तो अधिकतर स्कूलों में विज्ञान शिक्षक भी तैनात हुए हैं। उनके यहां से भी पांच छात्राओं का ऑनलाइन पंजीकरण कराया गया है। राजकीय कन्या विद्यालय इंदुपुर की प्रभारी प्रधानाचार्य प्रीति सिंह, जीआईसी के प्रधानाचार्य पीके शर्मा, कस्तूरबा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रभारी प्रधानाचार्य विमला राय ने बताया कि उनके यहां से पांच विद्यार्थियों का इंस्पायर अवॉर्ड योजना में पंजीकरण कराया गया है। बेसिक के विद्यालयों की भूमिका है नगण्यः जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी योजना के तहत आवेदन करना है। हालांकि, इन विद्यालयों के विद्यार्थियों का नामांकन भी बहुत ही कम है। इसके पीछे जिम्मेदारों द्वारा समय से सूचना न दिया जाना भी एक कारण है। देवरिया सदर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय पगरा की विज्ञान शिक्षिका सुषमा राय ने . बताया कि इंस्पायर अवॉर्ड के बारे में उन्हें विभागीय स्तर पर सूचना समय से नहीं मिली। समय से मिल जाती तो अब तक बच्चों का पंजीकरण करा दिया जाता। अब 15 अक्तूबर तक तिथि हो गई है। जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। उधर, डीसी प्रशिक्षण स्वप्नेश मंगलम ने बताया कि प्रयास किया जा रहा है। कितने आवेदन हुए हैं, इसके बारे में डीआईओएस ही बताएंगे, क्योंकि आईडी पासवर्ड उन्हीं के पास होता है।

पीआईसीयू वार्ड फुल, बच्चों पर बुखार का कोप

देवरिया। बदले मौसम में बच्चे बुखार की चपेट में आ रहे हैं। हाल यह है कि मेडिकल कॉलेज के पीआईसीयू वार्ड में बेड भर गए हैं। बुखार, झटका, उल्टी–दस्त, सांस से पीड़ित बच्चे इलाज के लिए आ रहे हैं। एक बेड पर दो बच्चों को लिटाकर इलाज कराना पड़ रहा है। इससे बच्चों और तीमारदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, कुछ दवा न होने से तीमारदारों को खरीद कर लानी पड़ रही है। मौसम में बदलाव का बच्चों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। बारिश के बाद धूप और गर्मी से सभी परेशान हैं। इस समय वायरस का संक्रमण फैल रहा है। कम इम्युनिटी के कारण इसका असर बच्चों पर पड़ रहा है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में जिले के विभिन्न इलाकों के अलावा बिहार प्रांत के सीमावर्ती क्षेत्र के लोग आते हैं। इस समय अस्पताल में बच्चों को लेकर तीमारदार इलाज कराने पहुंच रहे हैं। प्रतिदिन बुखार, झटका, उल्टी, दस्त, पेट दर्द, सांस से पीड़ित बच्चों की संख्या में इजाफा हो रहा है। कुछ बच्चों को तेज बुखार के साथ झटका भी आ रहा है। इनमें एईएस के लक्षण भी दिख रहे हैं। दोपहर तक पीआईसीयू वार्ड भरा था। मरीज अधिक होने के कारण एक बेड पर दो बच्चे का इलाज किया जा रहा था। आराम होने पर चिल्ड्रेन वार्ड से छुट्टी दी गई तो कुछ को पीआईसीयू से वार्ड में शिफ्ट किया गया। पंद्रह बेड के पीआईसीयू में सोलह बच्चे भर्ती थे। इसमें एक बेड पर दो बच्चों का इलाज चल रहा था। जबकि बीस बेड के चिल्ड्रेन वार्ड में 18 बच्चे भर्ती थे। यहां तीमारदारों को बैठने के लिए इंतजाम नहीं है। कुछ तीमारदार बेड के पास तो कुछ लोग बाहर हाल में फर्श पर बैठकर समय काट रहे थे। अस्पताल में एंटीबॉयोटिक सीरप की कमी है। जरूरत पड़ने पर तीमारदार को बाहर से खरीद कर लाना पड़ता है।

डॉक्टरों का कहना है कि मौसम बदलने से तेजी से वायरस, बैक्टीरिया बढ़ते हैं। इससे संक्रमण बढ़ जाता है। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, वे बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। खाना–पान, पानी, गंदगी, गंदा पानी जमा होने के कारण का असर बच्चों पर पड़ता है। मच्छरों का प्रकोप बढ़ा है। इससे मच्छरजनित बीमारी की चपेट में बच्चे आ रहे हैं। ऐसे में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। ये सावधानी बरतें: साफ–सफाई पर ध्यान दें, हाथ अच्छी तरह धुलकर भोजन करें ताजा भोजन, पीने के लिए शुद्ध पानी का सेवन करें खुले में सड़क किनारे बिने ढके कटे फल व खाद्य पदार्थ का सेवन न करें मौसमी फल का सेवन अच्छी तरह धुल करें शाम को सोते समय

दुकान से चोरी का पता दो दिन बाद भी नही कर पायी गोला पुलिस

चोरों से नहीं बच रहे हैं पुराने टायर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोलाबाजार/गोरखपुर। गोला उप नगर के पश्चिमी चौराहा स्थित किरासन तेल टंकी के सामने पंचर बनाने वाली दुकान पर रखा पुराने टायर में लगे सीकड़ को तोडकर रात में आज्ञात चोरो ने लगभग 35 टायर उड़ा दिए। जिसकी लिखित सूचना दुकानदार ने गोला पुलिस को देते हुए चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उचित कार्यवाही की मांग किया। लेकिन घटना के दो दिन बाद भी गोला पुलिस कोसो दूर दिखाई पड़ रही है। जिससे लोगो मे भारी असन्तोष ब्याप्त है। प्राप्त बिबरण के अनुसार गोला पश्चमी चौराहे पर पुलिस पिकेट से दो सौ मीटर पूरब मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित मिट्टी तेल टंकी के सामने पंचर बनाने की दुकान वेवरी निवासी राम विलास पुत्र मंगल का बहुत दिनों से है। शुक्रवार शाम को दुकान बंद कर घर चले गए। दुकान के पास पुराना गाड़ियों का टायर सीकड़ में बाँध कर रखे थे। बीती रात अज्ञात चोरों ने सीकड़ तोड़ कर टायर उठा ले गए। जो सामने लगे सी सी टीवी कैमरे में कैद भी हो चुका है सुबह जब रामबिलास दुकान पर आए तो देखे की दुकान पर रखे सारे पुराने टायर सीकड़ तोड़ कर गायब थे। जिसकी लिखित सूचना राम विलास ने गोला थाने पर दे दिया है। घटना के दो दिन बाद भी गोला पुलिस के हाथ खाली पड़े दिखाई दे रहे है।

मोबाइल चोर को पकड़ने नौतनवां पहुंची उज्जैन जीआरपी

नौतनवां। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी के मामले में उज्जैन की जीआरपी लोकेशन ट्रेस कर जांच करने नौतनवां पहुंची। जीआरपी आस पास के गांवों में संदिग्ध आरोपी का पता लगा रही है।जानकारी के मुताबिक 13 जून को उज्जैन रेलवे स्टेशन से किसी यात्री का मोबाइल चोरी हुआ था। पीड़ित यात्री ने जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। जीआरपी ने लोकेशन ट्रेस किया तो संदिग्ध आरोपी का लोकेशन नौतनवां थाना क्षेत्र के एक गांव में आया। अब उज्जैन जीआरपी नौतनवां थाने पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से तलाश कर रही है। जीआरपी के प्रधान आरक्षी प्रेम बड़तिया ने बताया कि जून में उज्जैन रेलवे स्टेशन से मोबाइल चोरी हुआ था। संदिग्ध आरोपी की लोकेशन नौतनवां थाना क्षेत्र के आस पास के गांवों में मिली है।

नगर पंचायत उनवल में भारतीय सैनिक को किया गया लहूलुहान

नेता, वर्दी की दोस्ती के चक्कर में उनवल चौकी सादे भेष में रक्षक से बना भक्षक

अरून शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

खजनी/गोरखपुर। नगर पंचायत कस्बा संग्रामपुर उनवल बाजार में

कल रात मानवता को शर्मसार करने वाली घटना घटित की गई। जिसकी पटकथा कभी साथ में बैठ कर भोजन करने को लेकर हुई बहस बाजी से निकल कर बदला लेने की नियत तक आ पहुची। जिसको खजनी थाना में पूर्व नियुक्त वर्दीधारी भीम यादव बर्तमान नियुक्ति कहीं और ने उनवल के कुछ लोगो के साथ मिलकर अंजाम दिया। वर्दीधारी आन ड्यूटी उनवल आया था या छुट्टी पर उनवल आया था वर्दी पहन अपने उनवल के यार दोस्तों मतलब नेता और सिपाहियों जिसकी पटकथा में मारने वाले भी अपने थे और मरवाने वाले भी अपने थे। मतलब साफ है कि यहां के स्थानीय सिपाही और नेता के साठ गांठ में एक सैनिक की लाठी, डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी जाती है और उतना ही नहीं घमंड में चूर चौकी के सिपाहियो द्वारा सैनिक को जबरजस्ती बैठा कर बत्तमीजी के साथ चौकी पर ले जाया जाता है। यह कार्य उनवल के कुछ काबिल होनहार सिपाहियों के द्वारा किया जाता है। शायद वह सिपाही भूल गए हैं कि जनता के टैक्स से ही उनकी सैलरी बनती है जिससे उनका जीवन चलता है। कानून राज के नाम पर सादे वर्दी में एक सैनिक को मारने का अपने महान होने का परिचय दे रहे। अगर इन सिपाहियों के कार्यकाल की जांच कर ली जाय तो सारा ईमानदारी और अच्छी पुलिसिंग का मेडल शायद इनको मिल जाए। एक जवान जो देश की रक्षा करता है तो सब इंसान अपने घरों में चौन से सोते हैं। जवान अकरम सेख के साथ जो हुआ है वह बहुत गलत हुआ। सरे बाजार उसे गाड़ी से खीच कर मारना मतलब कानून की धज्जियां उड़ाना होता है। फिलहाल सैनिक को चौकी उनवल ले जा कर अपने वर्दीधारी मित्र जो यहाँ ड्यूटी पर नही था उसकी मदत करने के साथ साथ उसके सहयोगियों को भी बचाने का काम सुलह समझौते से किया गया। मेरा पुलिस के उच्च अधिकारियों से निवेदन है कि देश के रक्षक के साथ बत्तमीजी और बुरी तरह से मारपीट करने वाले दोषी सिपाहियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करते हुए सैनिक के साथ न्याय किया जाना चाहिए।

शष्ठी बोधन के साथ हिण्डाल्को में दुर्गापूजनोत्सव का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट/सोनभद्र। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर हिण्डाल्को में मिताली क्लब द्वारा इस वर्ष भी शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा का पूजन महोत्सव हिण्डाल्को प्रबन्धान के सहयोग से पूरे भक्तिभाव तथा उल्लास व धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। आसाम के एक प्रसिद्ध मंदिर की तर्ज पर कोलकाता से आये कुशल कारीगरों द्वारा इस वर्ष भी भव्य पण्डाल का निर्माण किया गया है जिसकी छठा रात में दूधिायां रोशनी में तो बस देखते ही बनती है। पण्डाल में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा के साथ–साथ लक्ष्मी, सरस्वती, गणेश एवं कार्तिकेय की भव्य व सुन्दर प्रतिमायें स्थापित की गई हैं। शष्ठी के अवसर पर मां दुर्गा की प्राणप्रतिष्ठा के साथ हिण्डाल्को में दुर्गापूजनोत्सव का आगाज हो गया। सोनभद्र जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह, हिण्डाल्को के मुखिया एन नागेश, लक्ष्मी नागेश, मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह, मिताली क्लब के अध्यक्ष तपस चौधरी, वरिष्ठ अधिकारी रतन सोमानी, ईआर हेड परनीत सिंह, फाइनॉन्स हेड उज्ज्वल केश, हिण्डाल्को हॉस्पिटल के सीएमओ भास्कर दत्ता, तपन पॉल, पॉल्टू चट्टोपाध्याय समेत मिताली क्लब परिवार के अन्य सदस्यों ने पूरे श्रद्धा के साथ मां की आरती व पूजन करके दुर्गोत्सव का शुभारंभ किया। रेणुकूटवासियों एवं हिण्डाल्को परिवार को दुर्गापूजा, नवरात्रि एवं दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए नागेश ने इतने भव्य दुर्गापूजनोत्सव के

आयोजन के लिए मिताली क्लब की सराहना करते हुए जनमानस हेतु मंगल कामना की और संस्थान की प्रगति एवं देश में शांति व समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर मिताली परिवार के बच्चों ने बहुत ही आकर्षक महिषासुर मर्दिनी नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। प्रारम्भ में मिताली क्लब के अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए दुर्गा पूजन के महत्व पर प्रकाश डाला। दुर्गा पूजा कमेटी के सचिव अर्घा सिन्हा ने पांच दिनों तक चलने वाले पूजनोत्वस के विभिन्न आयोजनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिनांक 5 अक्टूबर दिन बुधवार को दशमी पूजा के साथ दुर्गोत्सव का समापन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि दुर्गोत्सव की तैयारी बीते 2 महीने से की जा रही है जिसे देखने भक्त दूर–दूर से आते हैं। वहीं कोविड के चलते 2 साल बाद आयोजित दुर्गा पंडाल के चारों ओर मेला भी लगा है जिसमें आगंतुक विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं साथ ही खरीदारी भी कर सकते हैं। अंत में सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

संसथान की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु माता की पूजा कर मांगा आर्शीवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

अनपरा/सोनभद्र। श्री श्री दुर्गा पूजा समिति रेणुसागर पावर डिवीजन रेणुसागर द्वारा प्रेक्षागृह परिसर स्थित शारदीय नवरात्र में स्थापित आदिशक्ति, महाशक्ति श्री श्री माँ दुर्गा देवी की प्रतिमा का आज दोपहर अष्टमी तिथि को हिंडालको रेणुसागर पावर डिवीजन के अध्यक्ष ऊर्जा के पी यादव व शैलेश विक्रम सिंह, गुलसन तिवारी सपत्नीक, संजय

सिंह, सुदिप्ता नायक, अनिल सिघानिया, मनु अरोरा, संदीप यावले, समीर आनंद, राम जतन गुप्ता मनीष सिंह, राजेश सैनी, द्वारा पुरे विधि विधान घंटे घड़ियाल शंख व वैदिक मंत्रोचार के साथ पुष्पांजलि अर्पित कर तथा माता से आशीर्वाद लिए। इसके पूर्व षष्ठी तिथि को माँ का पूजन अर्चन व कलस स्थापना के बाद माता रानी का बोधान आमंत्रण तथा अधिवास सम्पन्न हुआ इसके उपरांत भक्तो के दर्शन के लिए माँ का दरबार खोल दिया गया ,इस सम्बन्ध कोलकाता से आये पंडित दिलीप चटर्जी ने बताया की सप्तमी के दिन नवपत्रिका प्रवेश और पुष्पांजलि एवम आरती की गयी, उन्होंने नवरात्रि के अष्टमी के महत्व के बारे में बताते हुए कहा की माता के आठवे रूप में महागौरी की पूजा और आराधना की जाती है परम कृपालु महागौरी कठिन तपस्या कर गौरवर्ण को प्राप्त कर भगवती महा गौरी के नाम से विश्व विख्यात हुई इनकी आराधना सभी मनोवांछित कामना को पूर्ण करने वाली और भक्तो को अभय रूप व सौंदर्य प्रदान करने वाली है। श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के सचिव समित मंडल व गोपाल मुखर्जी ने बताया की सप्तमी को सायंकालीन बेला में लायनेस क्लब रेनुसागर द्वारा डांडिया का आयोजन किया गया जिसे देख दर्शक भाव विभोर हो गए और उपस्थित दर्शको ने माता के यकारे लगाए जिससे पूरा पंडाल गुंजायमान हो गया व भक्तो को प्रसाद भी वितरित किया गया।

दुर्गा पांडालों में माँ दुर्गा की स्थापना होते ही गुलजार हुआ कस्बा व बाजार

दिखने लगी भक्तों की भीड़

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। नवरात्रि के अष्टमी तिथि को पूजा पांडालों में माँ दुर्गा की पूजा अर्चना प्रारम्भ हो गई है और श्रद्धालुओं के लिए

पांडालों के पट को खोल दिया गया जिससे बाजार में भीड़ दिखनी शुरू हो गई है। लोग शाम की आरती में शामिल होने की तैयारियां जोरों पर है यह सिलसिला अब दशहरा तक जारी रहेगा। केकराही में स्थापित दुर्गा के कथावाचक पंडित राजेन्द्र प्रसाद पांडेय ने बताया कि अष्टमी और नवमी तिथि को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। जिसे देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जगह जगह पर पुलिस के जवानों को तैनात देखा गया है। पूजा पांडालों के खुलते ही बाजार में रौनक लौटी और बच्चे इस मौके का काफी लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण आज भक्ति में सराबोर नजर आ रहे हैं। थानाक्षेत्र के मुख्य मार्केट करमा, पगिया, खैराही, करकी माईनर, केकराही में माँ की प्रतिमा सबको लुभा रही है।

राम को वन जाते हुए देख नम हुई लीला प्रेमियों की आंखें

दैनिक बुद्ध का संदेश

रेणुकूट/सोनभद्र। सितम्बर हिण्डाल्को रामलीला परिषद् द्वारा हिण्डाल्को रामलीला मैदान पर आयोजित हो रही रामलीला के चौथे दिन राम राज्याभिषेक की घोषणा, राम वन गमन, राम–केवट संवाद एवं दशरथ स्वर्गवास आदि लीलाओं को बहुत ही सजीवता से मंचन हुआ। लीलाओं में चारो भाई विवाहोपरांत अयोध्या लौटते है और मंत्रिगणों से मंत्रणा करके राजा दशरथ श्रीराम को अयोध्या की राजगद्दी सौंपने की

घोषणा करते हैं। अयोध्यावासी पूरे हर्ष–उल्लास के साथ भगवान राम के राज्याभिषेक की तैयारियों में लगे होते हैं तो इधर नारदजी सोचते है कि यदि रामचन्द्रजी राज–पाट में लग गए तो राक्षसों का संहार कैसे होगा और इस हेतु मां सरस्वती की सहायता से मंथरा के मन में भरत को राजगद्दी और श्रीराम को सात वर्ष के वनवास की कुबुद्धी भर देते हैं। मंथरा कैकेई के कान भरती है और मंथरा की बातों में आकर राजा दशरथ द्वारा दिए गए वरदानों के बदले में भरत के लिए अयोध्या की राजगद्दी और राम के लिए सात वर्ष का वनवास मांग लेती है। पिता के वचनों का पालन करते हुए माता सीता व भ्राता लक्ष्मण के साथ श्री राम वन को प्रस्थान करते है। इस मार्मिक दृश्य को देखकर लीला प्रेमियों की आंखें भी नम हो उठती हैं। उधर अहिल्या प्रसंग के कारण केवट राज श्री राम को नदी पार कराने को तैयार नही होते परन्तु राम द्वारा समझाने पर केवट राज मान जाते हैं और श्रीराम वहां से अयोध्यावासियों से विदा लेते हैं। अयोध्या में श्रीराम के विछोह में राजा दशरथ भी अपना शरीर त्याग देते हैं और इसी के साथ चतुर्थ दिन की लीलाओं का समापन होता है। इससे पूर्व मुख्य अतिथि हिण्डाल्को एल्युमिना प्लांट के हेड एन. एन. रॉय, विशिष्ट अतिथि हिण्डाल्को के वरिष्ठ अधिकारी विकास कुमार, किरण कुमार एवं रामलीला परिषद् के अध्यक्ष प्रमोद उपाध्याय ने गौरी–गणेश पूजन कर चौथे दिन की लीलाओं का शुभारंभ किया।

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही से संविदा कर्मचारी लाइनमैन की हुई दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। के सतरिख थाना क्षेत्र के मोहना पावर हाउस की बड़ी लापरवाही सामने आई आपको बता दें यह पूरा मामला मोहना पावर हाउस के निकट तवदहा पुरवा गांव के बिजली के खंभे पर

चढ़कर लाइन सही कर रहा था वही अचानक पावर हाउस पर बैठे कर्मचारी लाइट छोड़ दिए जिससे लाइन सही कर रहा संविदा कर्मचारी की करंट लगने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वही पूरे गांव में सनसनी फैल गई परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है इतने में सूचना पर पहुंची सतरिख पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वही गांव वालों का बड़ा आरोप पहले हमारी सुनवाई करो हमको इंसाफ दिलाओ क्योंकि इससे पहले भी बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही से एक कर्मचारी की जान जा चुकी है यह कोई नया मामला नहीं है लाइनमैन संविदा कर्मचारी अनूप कुमार मौत की जानकारी मिलते ही मोहना पावर हाउस के कर्मचारियों ने ताला लगा कर भाग गए परिजनों का बड़ा आरोप इतनी बड़ी घटना होते हुए भी जेई साहब देखने तक नहीं आए देखते हैं आगे शासन प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

करमा रामलीला में रामबनगमन से दशरथ मरण तक का मंचन

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। अयोध्या के राजा दसरथ ने गुरु की आज्ञा आशिर्वाद व प्रजा, मंत्री जन का बिचार जान श्री राम युवराज को राजा पद घोषित करते हैं। यह देख इन्द्र घबरा जाते हैं और मां सरस्वती से

- राम को बन जाता देख नम हुई दर्शकों की आखें
- ग्राम प्रधान भरकवाह विकास सिंह नें उतारी राम की आरती

बिनती करते हैं कि अगर राम राजा बन जायेगें तो राक्षसों का विनाश कैसे होगा। मां सरस्वती कैकेयी की दासी मंथरा की मति फेर देती है। मंथरा कैकेयी की मती बदल देती है महारानी कैकेयी राजा से हठ कर अपने पिछले बरदान को मागती है। पहले से भरत को राज्य तथा दूसरे राम को चौदह वर्ष का बनबास। दशरथ बरदान तो दे देते हैं परन्तु पूत्र के बियोग में प्राण त्याग देते हैं। रामलीला में पधारे मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान विकास सिंह के द्वारा प्रभू श्री राम की आरती उतारी गयी ।उक्त अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी व भारी संख्या में भक्त जन उपस्थित रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। जनपद बाराबंकी के कोठी थाना क्षेत्र के माझियंवा

गांव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत आपको बता दें पति पत्नी के बीच हुए झगड़े के बाद पत्नी ने खाया जहरीला पदार्थ जब तक परिजन कुछ जान पाते तब तक देर हो चुकी थी जब परिजन इलाज के लिए ले जा रहे थे तब रास्ते में दम तोड़ दिया वहीं मृतक की शादी 12 वर्ष पूर्व पूर्व हुई थी जिसके एक लड़का 10 वर्ष का है एक लड़की 4 वर्ष की है जब इसकी सूचना पुलिस को मिली तो क्षेत्राधिकारी सहित कोठी पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वही आगे की छानबीन मएवं साक्ष्य जुटाने में लगी कोठी पुलिस देखो जब तक पीएम रिपोर्ट नहीं आती तब तक मौत का कारण स्पष्ट नहीं होगा पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण स्पष्ट होगा

चन्द्रभान बने युवा भारत ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। युवा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ कांत पति तिवारी के निर्देश पर प्रदेश उपाध्यक्ष एंव मिर्जापुर मण्ड़ल के प्रभारी सुशील उपाध्याय ने चन्द्रभान गुप्ता को जनपद सोनभद्र का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है।

बता दें कि चन्द्रभान गुप्ता विगत कई वर्षों से सामाजिक कार्यों में तन्मयता से कार्य कर रहे हैं। चन्द्रभान ने युवा गतिविधियों एंव खेल–कूद के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है।

नशामुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान एंव सरकारी योजनाओ का प्रचार–प्रसार कर जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया है। उक्त मनोनयन पर नवीन सिंह, सन्तपति मिश्रा, ओम प्रकाश पटेल, इमरान अंसारी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

क्या आपके घर पर भी होता हैं बच्चों में झगड़ा, इन तरीकों से संभाले यह परिस्थिति

घर में दो या दो से ज्यादा बच्चे हो तो उन्हें कभी भी अकेलापन महसूस नहीं होता है क्योंकि उनके साथ खेलने और बात करने के लिए घर में कोई होता हैं। लेकिन खेल–खेल में बच्चों के बीच लड़ाई–झगड़े भी होते हैं जो कि आम बात हैं। लेकिन ये झगड़े हर बात पर होने लगे तो चिंता की बात हैं। यदि यह नोंक–झोंक रोज की बात हो जाए तो यह पूरे घर में तनाव का माहौल पैदा कर देती है। साथ ही यह उनकी दैनिक गतिवधियों पर भी बुरा असर डालती है। ऐसे में पेरेंट्स को स्थिति को संभालते हुए बच्चों की समझाइश करने की जरूरत होती हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह इस स्थिति को संभाला जाए ताकि बच्चों के बीच आपसी प्रेम बना रहे और उनकी लड़ाई गंभीर रूप न ले।

समझदारी से काम लेना सिखाएं

बच्चों को समझाएं कि उनके दोस्त या कजन्स जब उसके खिलौनों के साथ खेल रहे होते हैं तो हो सकता है उनके पास वो खास खिलौना न हो, जो उनके मन में उस खिलौने को लेकर उत्सुकता पैदा कर रहा हो। ऐसे में उनके इस व्यवहार पर चिढने की जगह उनके साथ मिलकर खेलने की कोशिश करें। बच्चे को समझाएं की जब आप उनकी जगह होते हैं और ऐसा महसूस करते हैं तो उस समय उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए।

बात रखने का तरीका सिखाएं

घर पर बच्चे अक्सर अपनी बात साबित करने के लिए एक दूसरे से लड़ते हों तो उन्हें अपनी बात रखने का सही तरीका सिखाएं। उन्हें सिखाएं कि लड़ाई करने या चिल्लाने से वह सही साबित नहीं हो जाएंगे। लड़ाई से स्थिति बिगड़ सकती है। इसलिए शालीनता के साथ अन्य बच्चों से बात करें और अपनी बात को समझाएं।

समस्या सुलझाना सिखाएं

आप बच्चे के झगड़ों को सुलझाने की जगह उसे खुद उसकी समस्या का समाधान ढूंढना सिखाएं। उदाहरण के लिए उससे कहें कि वो बारी–बारी अपने दोस्त के साथ खिलौने से खेलें। हो सकता है कई बार उन्हें मामला सुलझाने में दिक्कत हो तो उन्हें विश्वास दिलाएं कि आप उन्हें बेहतर सुझाव दे सकती हैं। ऐसे में जब बच्चों के बीच झगड़ा बढने लगेगा तो वो सबसे पहले आप के पास आएगा।

बच्चे के सकारात्मक व्यवहार की तारीफ करें

अगर आपका बच्चा बिना लड़ाई या बहस के अन्य बच्चे से अपनी समस्याएं सुलझाता है तो उसके इस सकारात्मकता व्यवहार की तारीफ करें। बच्चे के इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहन दें ताकि वह भविष्य में भी लड़ाई झगड़े की स्थिति से निपटने के लिए सकारात्मक तरीका ही अपनाएं।

बच्चों को दें समय

बच्चों को समान समय देना भी जरूरी है। अगर आप बच्चों के साथ समान समय नहीं दे पा रहे हैं या आप किसी काम में व्यस्त हैं तो आप उन्हें समझाएं। साथ ही अपनी परिस्थिति के बारे में बताएं। इससे अलग ऐसी जीवन दिनचर्या निर्धारित करें, जिससे आप थोड़ा समय अपने बच्चों को भी देता है।

शांत रहना सिखाएं: अपने बच्चे को गुस्सा आने पर खुद को शांत रखने का तरीका सिखाएं। उदाहरण के लिए, उन्हें समझाएं कि जब कभी उन्हें गुस्सा आए, वो लंबी सांसें लें या फिर वहां से हट जाएं या कहीं और अपना ध्यान लगाएं। बच्चों को सिखाएं कैसे समझें दूसरों की बातें: अकसर बच्चों की आदत होती है कि वह दूसरों की बात ना सुनकर केवल अपनी ही बात कहे चले जाते हैं। ऐसे में माता पिता का फर्ज है की वे अपने बच्चों को सिखाएं कि दूसरों की बात को सुनना भी जरूरी है। हो सकता है कि वह गलतफहमी के कारण बेवजह किसी बात पर लड़ रहे हैं ऐसे में दूसरों की बातों को सुनना जरूरी है।

मैं उन लोगों से अलग हो जाती हूं जो मेरे आत्मसम्मान को तोडने की कोशिश करते हैं : सदा

हाल के दिनों में वन्यजीव फोटोग्राफर बनीं अभिनेत्री सदा ने कहा है कि वह जीवन में अपनी गरिमा और आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकती, चाहे कुछ भी हो और वह खुद को ऐसे

लोगों से काट लेती है जो उनके आत्मसम्मान को तोडने की कोशिश करते हैं। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने हालिया साक्षात्कार से एक मीडिया आउटलेट को एक क्लिप पोस्ट किया, और लिखा, सीधे दिल से एक सवाल का जवाब, वो सवाल जो एक वेब सीरीज के प्रचार के लिए एक साक्षात्कार के लिए बिल्कुल अपेक्षित नहीं है। खुद की परवाह करना, स्वार्थी नहीं होना है जैसा कि ज्यादातर लोग चाहते हैं कि आप विश्वास करें। जो आपसे उम्मीद करते हैं कि आप उन्हें अपने आत्म सम्मान या खुशी से ऊपर रखेंगे, वे वास्तव में स्वार्थी हैं। वीडियो क्लिप में, अभिनेत्री से सवाल पूछा जाता है, जब लोग आपके आत्मसम्मान को तोडने की कोशिश करते हैं?सदा ने जवाब दिया, मैं उन से अलग हो जाती हूं। मेरे लिए, मेरा आत्म–सम्मान, मेरी गरिमा, मेरा गौरव यहां (ऊपर की ओर इशारा करते हुए) से आता है और मैं अपने जीवन के उस पहलू से कोई समझौता नहीं कर सकती, चाहे कोई भी हो। अगर कोई छेड़छाड़ करने की कोशिश भी करता है, थोड़ा सा भी, मैं उसे पूरी तरह से डिस्कनेक्ट कर देती हूं।

गॉडफादर का हिंदी ट्रेलर रिलीज, चिरंजीवी के साथ एक्शन अवतार में दिखे सलमान खान

सलमान खान का नाम जिस भी फिल्म के साथ जुड़ जाता है, दर्शकों की उत्सुकता उस फिल्म के प्रति बढ़ जाती है। वह साउथ के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी की फिल्म गॉडफादर में दिखने वाले हैं। फिल्म 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने वाली है। मोहन राजा ने इसका निर्देशन किया है। अब इस फिल्म का हिंदी ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसमें चिरंजीवी के साथ सलमान एक्शन अवतार में नजर आए हैं।

चिरंजीवी ने ट्विटर पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, ये रहा गॉडफादर का हिंदी ट्रेलर। 5 अक्टूबर को भव्य स्तर पर फिल्म रिलीज होगी। इसके हिंदी ट्रेलर को आज मुंबई में एक कार्यक्रम में रिलीज किया गया, जिसमें चिरंजीवी और सुपरस्टार सलमान ने भी भाग लिया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भी सलमान और चिरंजीवी को काफी गर्मजोशी से मिलते हुए देखा गया। गॉडफादर एक पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। ट्रेलर की शुरुआत एक राज्य के मुख्यमंत्री के निधन से होती है। इसके बाद सत्ता हथियाने की लड़ाई शुरू होती है। इसमें चिरंजीवी को ब्रह्मा की भूमिका में देखा गया है। वह राजनीतिक महत्वाकांक्षा से घिरे दिखे। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब किसी मामले में वह जेल चले जाते हैं। इसके बाद सलमान की धांसू एंट्री होती है और वह चिरंजीवी के साथ मिलकर दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हैं।

गॉडफादर में सलमान कैमियो करते नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है फिल्म में सलमान का रोल 20 मिनट का है। चिरंजीवी और सलमान पहली बार पर्दे पर साथ दिखेंगे। इस फिल्म के लिए सलमान ने मेकर्स से कोई फीस नहीं ली है। एक इंटरव्यू में चिरंजीवी ने बताया था, सलमान ने बिना पैसे लिए फिल्म की है, वह फैंस के प्यार के लिए यह फिल्म कर रहे हैं। सलमान भाई को सलाम। हम उनसे प्यार करते हैं।

गॉडफादर में पुरी जगन्नाध और सत्य देव महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। एस थमन ने इस फिल्म का म्यूजिक कंपोज किया है। खबरों की मानें तो यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि नेटफ्लिक्स ने फिल्म के स्ट्रीमिंग राइट्स हासिल कर लिए हैं। गॉडफादर हिट मलयालम फिल्म लूसिफर की तेलुगु रीमेक है। इस मलयालम फिल्म में अभिनेता मोहनलाल ने लीड किरदार निभाया था।

पटना शुक्ला में वकील की भूमिका निभाएंगे चंदन रॉय सान्याल

अभिनेता चंदन रॉय सान्याल रवीना टंडन–स्टारर पटना शुक्ला में दिखाई देंगे। बिहार पर आधारित इस फिल्म में चंदन

एक वकील की भूमिका निभाएंगे। पटना शुक्ला दबंग निर्माता अरबाज खान द्वारा निर्मित एक सामाजिक–ड्रामा है और इसे विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं पटना शुक्ला में एक वकील की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं, यह फिल्म एक आदर्श मनोरंजन है। मैं शक्तिशाली कलाकारों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं! फिल्म में रवीना और चंदन के अलावा सतीश कौशिक, मानव विज, जतिन गोस्वामी और अनुष्का कौशिक भी हैं। पटना शुक्ला अगले साल रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। चंदन की आने वाली परियोजनाओं में वो 3 दिन, श्रृंखला कर्मयुद्ध, आश्रम सीजन 4, अमेजॉन प्राइम की लखोट और कुछ और अघोषित परियोजनाएं शामिल हैं।

ना करें प्लास्टिक बोतल में पानी पीने की गलती, सेहत को होते हैं ये नुकसान

आजकल के समय में देखने को मिलता हैं कि लोग प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने के आदी हो गए हैं। अमीर हो या गरीब सभी पानी पीने के दौरान प्लास्टिक बोतल का इस्तेमाल करने लगे हैं। अमीर लोग पैक पानी तो गरीब खाली हो चुकी बोतल में पानी भरकर। लेकिन क्या आपको पता है कि प्लास्टिक की बोतल से पानी पीना सेहत के लिए बेहद हानिकारक माना गया है। हमारे जीवन की हिस्सा बन चुकी प्लास्टिक की बोतलें केमिकल्स और बैक्टीरिया से भरी हुईं होती हैं। प्लास्टिक चाहे किसी भी तरह की हो, प्रकृति और सेहत दोनों के लिए नुकसानदायक ही है। आज हम आपको यहां प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने के कुछ हानिकारक प्रभावों की जानकारी देने जा रहे हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में... अनहेल्दी कॉन्टेंट: प्लास्टिक में हानिकारक रसायन ही नहीं होते, प्लास्टिक की बोतलों में जमा होने पर पानी में फ्लोराइड, आर्सेनिक और एल्यूमीनियम जैसे हानिकारक पदार्थ भी पैदा होते हैं, जो शरीर के लिए जहर हो सकते हैं। तो, प्लास्टिक की बोतलों से पानी पीने का मतलब होगा धीमा जहर पीना, जो धीरे–धीरे और लगातार आपके स्वास्थ्य को खराब करेगा। कैंसर का खतरा: प्लास्टिक का प्रयोग करने की वजह से इसमें पाए जाने वाले रसायन से सीधा शरीर का संपर्क होता है। इससे अनेक बीमारियों से शरीर घिर जाता है। प्लास्टिक में पाए जाने वाले रसायन जैसे सीसा, कैडमियम और पारा शरीर में कैंसर, विकलांगता, इम्यून सिस्टम में गड़बड़ी जैसे गंभीर रोग उत्पन्न करते हैं और इससे बच्चों का विकास भी प्रभावित होता है। हाई शुगर की समस्या: आजकल, हमें ज्यादातर प्लास्टिक की बोतलों में पानी मिलता है और इसमें मौजूद हेल्थ कंटेंट को बढ़ाने के लिए, निर्माता इसे खरीदारों को आकर्षित करने के लिए विटामिन युक्त बताते हैं। लेकिन यह और भी हानिकारक है, क्योंकि इसमें फूड शुगर और हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप जैसे हानिकारक तत्व होते हैं। हाइपोथायरायडिज्म का कारण: बीपीए यानी कि बिस्फेनॉल थायराइड हार्मोन रिसेप्टर की मात्रा कम करता है। जिससे हाइपोथायरायडिज्म जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। प्लास्टिक अन्य तरह से भी हमारे शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। एक शोध के अनुसार प्लास्टिक की बोतल में ईडीसी, यानी की एंडोक्राइन डिस्सेंटिंग केमिकल जैसा बहुत ही खतरनाक और नुकसान देय रसायन पाया जाता है। जो कि इंसानी हार्मोनल सिस्टम को धीरे–धीरे परंतु सीधे तरीके से नुकसान पहुंचाता है। इम्यून सिस्टम पर असर: प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीने से हमारा इम्यून सिस्टम काफी प्रभावित होता है। प्लास्टिक की बोतलों से निकलने वाले रसायन हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को बिगाड़ देते हैं। लीवर कैंसर और कम शुक्राणुओं की संख्या: प्लास्टिक में थैलेट नामक रसायन की उपस्थिति के कारण, प्लास्टिक की बोतलों से पानी पीने से लीवर कैंसर और शुक्राणुओं की संख्या में कमी भी हो सकती है। ओवरी से संबंधित बीमारियां: प्लास्टिक में मौजूद केमिकल्स की वजह से महिलाओं में भी ओवरी से संबंधित बीमारियां, ब्रेस्ट कैंसर, कोलन कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।